वर्ष-15, अंक-14
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, गुरुवार, 18 अप्रैल 2024

अपराधी मस्त पुलिस पस्त...

कुख्यात बदमाश शादाब खान पुलिस की गिरफ्त से बाहर

सिटी चीफ... इंदौर, इंदौर शहर मे माफियाओ का खेल कई सालो से फल फूल रहा था जिस पर अंकुश लगाते हुए माध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री शिव राज सिंह चौहान के द्वारा दिए निर्देश के बाद पुलिस प्रशाशन सख्त हुआ और मुस्तेदी से माफियाओ के खिलाफ चले अभियान मे पुलिस ने कड़ाई से पालन करते हुए भूमाफिया, ड्रग्स माफिया और शराब माफियाओ की धर पकड़ शुरू कर दी वहीं अपराधियों के द्वारा कब्जियाये जमीनो और प्लाटो पर बने अवैध दुकानों मकानों के निर्माणो पर बुलडोजर चला धरा सही कर इन माफियाओ से उकक्तई जनता को राहत देने का काम किया वहीं जनता ने भी राहत की सांस ली पर वहीं एक मामला महू तहसील ग्राम सिमरोल मे गाँव गौकन्या स्थिति किसान विजय तिवारी पिता राम भरोसे तिवारी की जमीन का मामला सामने आया हैं ।

आनंद कसेरा

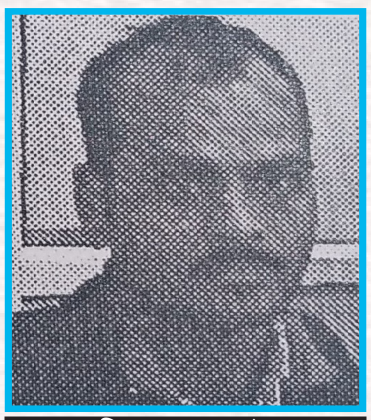
अनिल कुमार पंवार

अरुणा पाटनी

राकेश जैन

पार्वती जैन

पवन जैन

राहुल जैन

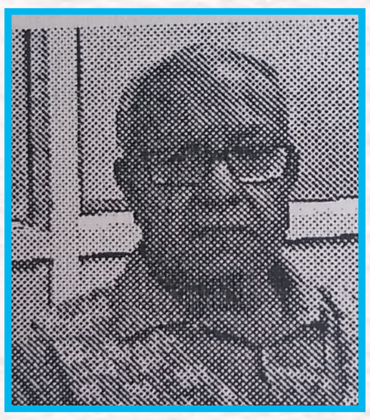
सुमित प्रकाश पाटनी

शातिर कुख्यात बदमाश शादाब खान पिता रफीक खान निवासी मणिक बाग इंदौर ने किसान विजय पिता राम भरोसे तिवारी की कृषि भूमि ग्राम गौकन्या के खसरा नंबर इस प्रकार हैं: 72, 190, 191, 110/1, 110/2 120/362, 124, 181/1, 183/1, 184/2, 185/2, 186/2, 189 का सौदा कर कुख्यात बदमाश शादाब खान पिता रफीक खान जमीन खाऊ भूमाफिया शातिर ठगोरा करोड़ों की हेरा फेरी और जमीनों की अफरा तफरी कर किसान की जमीन कोअपने गिरहो के 8 जालसाजो के नाम पर रजिस्ट्री करा कर बाले बाले बेच कर चंपात हो गया पुलिस हाथ पे हाथ रखें बैठी हैं शादाब खान के खिलाफ जबकि की किसान के द्वारा अनगिनत थानो मे आवेदन दे रखे हैं इसके बाबजूद शादाब खान आज भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं किसान आज भी पुलिस और थाने के चक्कर लगाने को मजबूर हैं पुलिस के इस ढुल मूल रवईये पर सवालिया निशान खड़ा करता हैं आखिर कार पुलिस ने अभी तक ऐसे अपराधी को क्यूं छोड़ रखा हैं जब की शादाब खान के खिलाफ अन्य थानो मे अनगिनत धाराओं मे केस दर्ज हुए पड़े हैं शादाब गिरहो का मुखिया हैं और उसके गिरहो मे शातिर ठगोरो को शामिल कर रखा हैं उनके द्वार ही लोगो को ठगने का काम करवाता हैं **इन आठ (8) सदस्यों के नाम सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन, पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन जलसाजो के नाम पर रजिस्ट्री करवा ली तत्पश्चात,** बैंको से करोडो रूपए का लोन ले कर चंपात हो गए इन सभी के पास अलग अलग बैंको के खाते हैं इन खातों से पैसो की आफरा तफरी करते हैं और इन सभी के अलग अलग नाम से कई आधार कार्ड पेन कार्ड राशन कार्ड जिनके द्वारा समय समय पर बैंको से पैसा लेते रहते हैं शदाब किसानो और व्यापारिओ को मोहरा बनता हैं पहले उनकी जमीनो और प्लाटो को खरीदने की बात कर उनको सब्ज बाग दिखाता हैं और बैहला फुसल कर जमीनों का ऐग्रीमेंट कर जिन बैंको के चेक देता हैं उनको बंद हुए कई कई साल हो जाते हैं उनमे लेन देन सब बंद पड़ा रहता हैं जब बैंको मे पता करो तो पता चलता हैं बैंक से भी कर्ज ले गया आज तक नहीं आया हैं शादाब एक पेशेवर मुजरिम हैं तो भी पुलिस की आँखो में धूल झोंक कर शान से घूम रहा हैं थानो मे जानकारी के बाबजूद भी पुलिस को नहीं मिल रहा है।

सिंगल कॉलम

वोटर आईडी के बिना भी कर सकते हैं मतदान, कलेक्टर ने बताई प्रक्रिया

इंदौर। लोकसभा चुनाव आ गए हैं और मतदाता अपने वोटर आईडी के माध्यम से देश की नई सरकार चुनने वाले हैं। इस मौके पर प्रशासन भी लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि वोटर आईडी के बिना भी मतदान किया जा सकता है। यदि किसी परिस्थित में वोटर आईडी आपके पास नहीं है तो 12 तरह के दस्तावेजों को निर्वाचन आयोग ने अनुमति दी है। इन दस्तावेज से आप मतदान कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में मतदान के लिए 12 फोटो परिचय पत्र मान्य किए हैं। मतदाता पहचान पत्र नहीं होने की दशा में ई-मतदाता परिचय पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके साथ मतदान किए जाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 12 प्रकार के वैकल्पिक दस्तावेजों के माध्यम से भी मतदाता अपने मत का उपयोग कर सकते हैं। आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदान करने के संबंध में मतदाता की पहचान के लिए मतदाता परिचय पत्र के अलावा ई-मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक, पोस्ट ऑफिस की फोटो सहित पासबुक, श्रम मंत्रालय के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोग्राफ सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र शासन, राज्य शासन, पीएसयूस और पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी फोटोग्राफ सहित सर्विस पहचान कार्ड और एमपी, एमएलए व एमएलसी द्वारा जारी सरकारी पहचान पत्र निर्धारित किए गए।

सीबीएसई में अब तक पूरा नहीं हुआ मूल्यांकन, रिजल्ट भी आएंगे देरी से

इंदौर। सीबीएसई परीक्षाओं के बाद मूल्यांकन कार्य अब तक चल रहा है। इस बार मूल्यांकन कार्य में हो रही देरी के चलते परिणाम परिणाम भी मई माह के तीसरे सप्ताह तक जारी किए जाने की संभावना है। बता दे कि इस सीबीएसई बोर्ड की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से दो अप्रैल तक आयोजित हुई थी। परीक्षा के लिए जिले में 40 केंद्र बनाएं गए थे, जहां पर 29 हजार परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया था। सीबीएसई बोर्ड के सिटी को ऑर्डिनेटर उत्तम कुमार झा ने बताया कि मार्च माह ही मूल्यांकन कार्य शुरू किया जा चुका था। मूल्यांकन के लिए करीब 10 मूल्यांकन केंद्र बनाए गए थे। जहां पर पांच से छह विषय की कापियां जांची जा रही है। इनमें से कई केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। कुछ केंद्र है, जहां पर अंतिम विषय की कॉपियां जांची जा रही है। मूल्यांकन का काम 22 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार इस बार मूल्यांकन कार्य में 7 से 8 हजार शिक्षक बतौर मूल्यांकनकर्ता कॉपियां जांच रहे हैं। इसके बाद अंक सूची तैयार होने का काम शुरू हो होगा। झा ने बताया कि संभवत मई माह के तीसरे सप्ताह तक परिणाम आने की संभावना है। इधर माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं मार्च माह में खत्म हो चुकी है। मूल्यांकन कार्य भी 31 मार्च को पूरा हो गया था। अब एजेंसी द्वारा अंकसूची तैयार की जा रही है। माशिमं से जुड़े एक अफसर ने बताया कि अंकसूची तैयार करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। संभवत इसी माह के अंतिम सप्ताह तक परिणाम भी घोषित कर दिया जाएगा।

क्राइम ब्रांच ने आईपीएल के सटोरियों पर की कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के एमजी रोड इलाके में क्राइम ब्रांच ने आईपीएल के सटोरियों पर कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक रिहायशी बिल्डिंग के फ्लैट से दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से मोबाइल, एलईडी और लाखों का हिसाब-किताब मिला है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि स्नेहलता गंज की महालक्ष्मी बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 508 में दो लोग आईपीएल में सट्?टा लगा रहे हैं। वहां पहुंचे तो सटोरिये राजस्थान रॉयल्स और कोलकता नाइट राइडर्स की टीमों के बीच चल रहे क्रिकेट मैच में सट्?टे की बुकिंग कर रहे है। तब क्राइम ब्रांच की टीम बनाकर वहां भेजा गया। यहां राजेन्द्र पुत्र बालीचंद्र दुबे निवासी शाहगढ़ और उसके साथी अमित पुत्र सुरेश गुप्ता निवासी दीनदयाल नगर को पकड़ा गया। बाद में दोनों को एमजी रोड थाने के सुपुर्द कर दिया गया। दोनो पकड़ाए आरोपी मूल रूप से सागर के रहने वाले हैं। यहां फ्लैट किराये पर लेकर सट्?टे का कामकाज कर रहे थे। आरोपियों के पास से 7 मोबाइल,7 सिम और लाखों के हिसाब किताब के साथ एलईडी टीवी और अन्य गैजेट्स जब्त हुए हैं। पुलिस मोबाइल में मिली सिम को लेकर जांच कर रही है।

इंदौर नगर निगम में 28 करोड़ रुपये के फर्जी बिल मामले में अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में

सिटी चीफ... इंदौर।

28 करोड़ रुपये के फर्जी बिल नगर निगम के ड्रेनेज विभाग से होते हुए भुगतान के लिए लेखा शाखा तक पहुंचने के मामले में संदेह के घेरे में निगम के अधिकारी, कर्मचारी भी हैं। बगैर इनकी जानकारी और साठगांठ के कोई फर्म इस तरह से फर्जी बिल तैयार कर लेखा शाखा तक पहुंचा दे, यह संभव नहीं। अब उच्च स्तरीय कमेटी वर्ष 2022 से पहले हुए कामों की जांच करेगी।इस बात की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि ऐसे ही फर्जीवाड़े निगम में लंबे समय से चल रहे हों और करोड़ों रुपये के भुगतान हो भी चुके हों। जो बिल लेखा शाखा पहुंचे थे, उन पर अपर आयुक्त और कार्यपालन यंत्री के फर्जी हस्ताक्षर होने की बात सामने आ रही है। जिन अधिकारियों के पास उस समय संबंधित जिम्मेदारी नहीं थी, उनके भी हस्ताक्षर किए गए।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि ड्रेनेज विभाग ने फर्जी हस्ताक्षरों वाले दस्तावेज और बिल लेखा शाखा भेज कैसे दिए? संलिप्तता के बगैर यह संभव ही नहीं है। खास बात यह भी है कि ये बिल आडिट में भी पकड़ में नहीं आए। ऐसे में आडिट विभाग की भूमिका पर भी संदेह उठ रहा है।

पांच फर्मों के 20 पे आर्डर

उल्लेखनीय है कि निगम के लेखा विभाग में पिछले दिनों ड्रेनेज एवं जल यंत्रालय विभाग से पांच फर्मों के 20 पे आर्डर आडिट के बाद लेखा शाखा में प्रस्तुत किए गए थे। ये पे आर्डर 28 करोड़ रुपये के थे। पांच फर्मों को इतनी बड़ी राशि का भुगतान होने से शंका हुई और इसे वापस ड्रेनेज विभाग भेज दिया गया। पता चला कि ये पे-आर्डर फर्जी हस्ताक्षर एवं कूटरचित हैं। ये भुगतान जिस काम का बताया जा रहा है, वह कभी हुआ ही नहीं।

निगम ने एमजी रोड पुलिस थाने में मे. नींव कंस्ट्रक्शन प्रोप्राइटर मो. साजिद, मे. ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्रोप्राइटर मो. सिद्दिकी, मे. किंग कंस्ट्रक्शन प्रोप्राइटर मो. जाकिर, मे. क्षितिज इंटरप्राइजेस प्रोप्राइटर रेणु वडेरा और मे. जाह्नवी इंटरप्राइजेस प्रोप्राइटर राहुल वडेरा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया।

इस वजह से हुआ शक

एक ही दिन में पांच-पांच किमी सीवर लाइन की खोदाई और पाइप लाइन बिछाने का काम रिकार्ड में दिखाया गया था।

एक ही दिन में 500-500 चैंबर का निर्माण खोदे गए मटेरियल का परिवहन और खोदाई की हुई ट्रेंच का भराव रिकार्ड में दिखाया गया।

सुबह नौ से रात 12 बजे तक गुलजार है भाजपा कार्यालय

सिटी चीफ... इंदौर।

इंदौर। जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय इन दिनों कार्यकर्ताओं से गुलजार है। सुबह नौ बजे से ही यहां कार्यकर्ताओं और नेताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इसके बाद शुरू होता है बैठकों का दौर। प्रचार की रणनीति पर चर्चा के साथ दिन के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली जाती है।इसके बाद कार्यकर्ता उन्हें सौंपे गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निकल पड़ते हैं। दोपहर के समय जरूर कार्यालय में थोड़ा सन्नाटा होता है लेकिन शाम होते-होते एक बार फिर कार्यकर्ता आने लगते हैं। शाम को फिर बैठकों का दौर शुरू हो जाता है। इन बैठकों में अगले दिन की रणनीति तैयार कर ली जाती है।

तल मंजिल पर बना है मुख्य चुनाव कार्यालय

तीन मंजिला भाजपा कार्यालय के तल मंजिल पर पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए मुख्य चुनाव कार्यालय बना रखा है। कार्यालय के पास ही हाल में चुनाव सामग्री भी रखी हुई है। भाजपा के सह मीडिया प्रभारी नितिन द्विवेदी ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले दिल्ली से मिली चुनाव सामग्री में से एक बड़ा हिस्सा बूथ और वार्डों तक पहुंचा दिया गया है। अब जिन-जिन क्षेत्रों में मांग आ रही है, वहां इस सामग्री को पहुंचा दिया जाता है। बुधवार को भी तीन वार्डों से चुनाव सामग्री की मांग आई है।

चाय की जगह छाछ और लस्सी ने ले ली

भाजपा कार्यालय पर सामान्यत- कार्यकर्ताओं के लिए चाय का इंतजाम रहता है, लेकिन गर्मी को देखते हुए चाय की जगह छाछ और लस्सी ने ले ली है। संभागीय बैठक होने पर भोजन का इंतजाम भी रहता है। देर रात तक चलने वाली बैठकों में अगले दिन की रणनीति को लेकर चर्चा होती है।

इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर हरियाली का रखना होगा ध्यान, खर्च उठाएगा एनएचएआइ

सिटी चीफ... इंदौर।

हरियाली का ध्यान रखते हुए इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर पौधे रोपे जाएंगे। वन विभाग की सिफारिश के बाद वन व पर्यावरण मंत्रालय ने एनएचएआइ के सामने नई शर्त रखी है। जहां सड़क के दोनों तरफ 15 फीट चौड़ी पट्टी में पौधे रोपना होंगे। उसमें भी मालवा-निमाड़ के वातावरण के अनुकूल में पनपने वाले पौधों लगाना होंगे। यह काम बरसात में शुरू किया जाएगा। एनएचएआइ ने मेघा कंस्ट्रक्शन कंपनी को निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें प्राथमिकता छायादार पौधे लगाने की रखी है। खास बात यह हा कि पौधारोपण का पूरा खर्च एनएचएआइ उठाएगा।216 किमी बनने वाले राजमार्ग के लिए इंदौर-बड़वाह वनमंडल की 74 हेक्टेयर वनभूमि से सड़क निकाली जाएगी। यहां से करीब 9800 पेड़ निर्माण में बाधक बने हैं। इनका आकलन वन विभाग ने किया है। पेड़ों की मार्किंग, कटाई, परिवहन, पौधारोपण, वनभूमि की नेट प्रेजेंट वेल्यू (एनपीए) 24 करोड़ रुपये हैं। राजस्व की भूमि से भी पेड़ काटे गए हैं। सड़क के दोनों ओर लगेंगे पौधे अब हरियाली बढ़ाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए मंत्रालय ने सड़क के दोनों किनारों और डिवाइडर पर पौधे लगाने पर जोर दिया है। मालवा-निमाड़ में पाए जाने वाली प्रजातियों की सूची वन विभाग देगा। इन्हें लगाने का काम निर्माण एजेंसी को अपने स्तर पर करना होगा। बरसात में भले ही सड़क निर्माण और सुरंग की खोदाई का काम रोकना पड़ेगा। मगर सड़क के दोनों किनारों पर पेड़ लगाए जाएंगे। एवेन्यू एरिया में पौधे लगाने का खर्च अलग है, जो एनएचएआइ को उठाना होगा। मेघा कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट हेड नागेश्वर राव का कहना है कि सड़क के आसपास पौधे लगाने का काम बरसात में करेंगे। इन दिनों सड़क के कुछ हिस्से पर डामरीकरण का काम चल रहा है। एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल का कहना है कि जिस हिस्से की सड़क का काम पूरा होगा। उसके बाद पौधारोपण किया जाएगा। इसके बारे में निर्माण एजेंसी को बताया दिया है।

इंदौर में आज 40 डिग्री तक जा सकता है पारा

सिटी चीफ... इंदौर।

पिछले दो दिनों से सूरज के तल्ख़ तेवर के कारण शहरवासियों को सुबह से रात तक गर्मी से परेशान होना पड़ रहा है। दिन में जहां तेज धूप के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। वहीं रात में लोग चैन की नींद के लिए कूलर, पंखे और एसी भी अब चलाने लगे हैं।शहर में गुरुवार सुबह से ही आसमान में बादल न होने कारण तेज धूप के कारण गर्मी का असर दिखाई दिया और सुबह नौ बजे तक ही तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य दो डिग्री अधिक 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह दृश्यता सात किलोमीटर रही, वहीं आर्द्रता 29 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, आज इंदौर में पारा 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। दिन भर गर्मी का असर रहेगा, वहीं शाम तक शहर में हल्के बादल भी छा सकते हैं। ग़ौरतलब है कि बुधवार को शहर में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक था। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिम विक्षोभ और द्रोणिका के असर से इंदौर में अगले 2 से 3 दिन में बादल छाने के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। इससे शहरवासियों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

आज का मौसम

शहर में बुधवार सुबह सूरज की किरणों ने घर से बाहर निकले लोगों को तपिश का अहसास करवाया। हालांकि दोपहर तीन बजे बाद छाए बादलों के कारण गर्मी से हल्की राहत मिली।

कलेक्टर ने ली कर्मचारियों की परीक्षा, 18 हो गए फेल

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के तहत होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों के गठन की प्रक्रिया चल रही है। इन मतदान दलों में नियुक्त होने वाले पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी क्रमांक एक के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह की पहल पर प्रशिक्षण के बाद मतदानकर्मियों की योग्यता को जांचने के लिए नवाचार के तहत प्रदेश में पहली बार ऑनलाइन परीक्षा की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण के पहले दिन इस परीक्षा में 1967 मतदानकर्मियों ने भाग लिया। इसमें से 1949 मतदानकर्मी पास हुए तथा 18 मतदानकर्मी फेल हुये। फेल मतदान कर्मियों को दूसरी बार प्रशिक्षण लेना होगा। दूसरी बार का प्रशिक्षण 19 अप्रैल को आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी तथा इंदौर विकास प्राधिकरण मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार ने बताया कि मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का सिलसिला 15 अप्रैल से होल्कर कॉलेज में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का पहला सत्र 19 अप्रैल तक चलेगा। इसमें लगभग 10 हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि मतदानकर्मियों की योग्यता जांचने के लिए नवाचार करते हुये ऑनलाइन परीक्षा की व्यवस्था की गई है। पहले दिन आयोजित प्रशिक्षण में 1967 मतदानकर्मी शामिल हुए। इनमें से शत-प्रतिशत अंकों के साथ 994 मतदानकर्मी उत्तीर्ण हुए।

इंदौर की सड़कों पर दौड़ेगी इंग्लैड से लाई गई बेंटले कार

सिटी चीफ... इंदौर।

प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी इंदौर की सड़कों पर अब इंग्लैंड से लाई गई बेंटले कार फर्राटा भरते नजर आएगी। छह करोड़ रुपये कीमत वाली इस कार का रजिस्ट्रेशन करने पर इंदौर परिवहन विभाग को 98 लाख रुपये टैक्स मिला है। परिवहन विभाग ने इस कार का रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर दिया है। यह कार सुरक्षा और सुविधाओं से भी पूरी तरह से लैस है।यह बेंटले कार इंदौर के उद्योगपति तपन अग्रवाल ने इंग्लैंड से विशेष आर्डर पर तैयार करवा कर बुलवाई है। यह दिल्ली होते हुए इंदौर पहुंची और इंदौर परिवहन कार्यालय में इसका रजिस्ट्रेशन कराया गया। आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि मार्च माह में कार के पंजीयन का आवेदन आया था। यह बेंटले कार इंदौर के उद्योगपति तपन अग्रवाल ने इंग्लैंड से विशेष आर्डर पर तैयार करवा कर बुलवाई है। यह दिल्ली होते हुए इंदौर पहुंची और इंदौर परिवहन कार्यालय में इसका रजिस्ट्रेशन कराया गया। आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि मार्च माह में कार के पंजीयन का आवेदन आया था। कार को अग्रवाल कोल कार्पोरेशन प्रालि के नाम से रजिस्टर्ड कराया गया है। परिवहन विभाग ने कार को एमपी 09 डीजे-8000 नंबर जारी किया है। इंग्लैड से मंगवाई गई बेंटले पर अग्रवाल ने अपनी पसंद का रंग करवाया है। यह 290 किमी प्रति घंटे की स्पीड से फर्राटा भर सकती है।

बेड़े में हैं कई लग्जरी कारें

इंदौर के उद्योगपति तपन अग्रवाल के पास कई लग्जरी कारें हैं। इनमें रोल्स रायस की घोस्ट एक्सटेंडेड, फरारी, पोर्शे सहित अन्य महंगी कारें शामिल हैं। उद्योगपति तपन अग्रवाल के पास कई लग्जरी कारे है। राल्स रायल की घोस्ट एक्सटेंडेड प्रीमियम कार है, जिसकी कीमत करीब 11 करोड़ रुपये है।

इसे यूके से स्पेशल आर्डर पर लाया गया है। ढाई करोड़ रुपये के आप्शन कार में जुड़वाए गए हैं। इसके अलावा इटली से तैयार होकर आई रोसो कोरसा रेड शेड कलर की फरारी भी इनके पास है। इसकी कीमत 5 करोड़ 50 लाख रुपये है।

भीकनगांव उत्साह के साथ निकली शोभायात्रा

पंजाबी आखडे व चलिये हनुमान रहे आकर्षक का केंद

सवादाता पियूष अग्रवाल

भीकनगांव श्रीराम जन्मोत्सव पर जय सियाराम ग्रुप ने भोला चौक से श्रीराम मंदिर तक शोभायात्रा निकाली। शाम 5 बजे बाबा भूतेश्वर के पूजन व के बाद शुरू हुई यात्रा में प्र में प्रभु आरती श्रीराम की 21 फीट ऊंची मूर्ति की झांकी, दिलेर खालसा ग्रुप लुधियाना का पंजाबी अखाड़ा, महाकाल के भस्म रमैय्या ढोल, चलित हनुमान की झांकी व उज्जैन की आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। नगर के 2 बैंड व करीव 2 दर्जन ढोल-तासे शामिल थे। यात्रा भोला चौक से खत्री मार्केट, गणेश मंदिर, सोनी कॉलोनी, बस स्टैंड, कालका माता मंदिर, सिनेमा चौक, झिरन्या रोड, बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा, खेड़ापति हनुमान मंदिर होकर रात करीब 11 बजे प्राचीन श्रीराम मंदिर पहुंची। यहां आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण हुआ भगवा ध्वज हाथ में लेकर श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के भजनों की धुन पर नाचते-गाते चल रहे थे।

15 से अधिक सेवा स्टाल व स्वागत मंच

भीकनगांव शोभायात्रा में सेवा एवं स्वागत में दिख जज्ब सरदार रावत मित्र मंडल 201 लीटर शरबत ,नकुल कापसे मित्र मंडल 201 लीटर बुदी रायता ,अमर पाटील व सुनील सिसोदिया मित्र मंडल 1000 लीटर रसन ,मेन रोड गणेश ज्यूस सेंटर 2000 पानी बाटल निर्मल अग्रवाल परिवार व नागराज समिति भीकनगांव बस स्टेड 301 किलो खिचड़ी, विधायक झुमा सोलंकी विठ्ठल मंदिर पर 201 लीटर रसना रामस्वरुप चंपालाल अग्रवाल परिवार झिरन्या रोड़ 10 हजार लीटर रसना, मुरारीलालजी अग्रवाल परिवार 501 किलो पोहा झिरन्या रोड़ मज्जिद के पास 501 लीटर केरी पना खेड़ापति सरकार मंदिर पर 1000 लीटर रसना राम मंदिर पुड़ी सब्जी प्रसादी सहित अन्य जगह पर स्वागत मंच व स्टाल रहेगा।

यह रहे यात्रा में शामिल

खंडवा के महादेव गढ़ के संरक्षक अशोक पालीवाल, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक झूमा सोलंकी व जपं अध्यक्ष सरदार रावत भी शामिल हुए।

News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-14
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
इंदौर, गुरुवार, 18 अप्रैल 2024

घोटाला, घोटाला, घोटाला

पंजाब नेशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के

बैंको मे हो गया करोडो का घोटाला ईओडब्ल्यू कर रही है जांच

(बैंको ने स्वंम मालिक बनकर भूमाफियों सुमित प्रकाश पाटनी, अरूणा पाटनी, आनंद कसेरा की जमीनों को इन कुख्यात भूमफियाओ को बेच दी गई जमीन इनके नाम इस प्रैकार हैं सुरेश पिंगले पिता बिट्ठल राव पिंगले, राजेश कमर जैन पिता रतनलाल जैन, आदित्य उपाध्या पिता श्री ओमप्रकाश उपाध्याय)

इंदौर, दरसल किसान विजय तिवारी पिता राम भरोसे तिवारी की जमीन ग्राम सिमरोल गाँव गौकन्या का सौदा खसरा नंबर इस प्रकार हैं 72, 190, 191, 110/1, 110/2 120/362, 124, 181/1, 183/1, 184/2, 185/2, 186/2,189 का कुख्यात अपराधी शदाब खान पिता रफीक खान ने जलसाजी से 420 कर धोखा धड़ी से नॉन ऑपरेटिव बैंक के चेक दे कर खुद के बनाए हुए जालसाज गिरहो के सदस्यों जिनके द्वारा पहले ही कई बैंको से जालसाजी और धोखेबाजी कर ऐसी कई प्रॉपर्टी पर लोन ले कर आज तक अदा नहीं किया हैं वा बैंको मे भी डिफाल्टर हैं शदाब खान पेशेवर जलसाज हैं उसने अपने गिरोहा मे ऐसे सदस्यों को शामिल करता हैं जिनके पास अलग अलग नाम से कई जालसाजी के कागज उन सभी के पास मौजूद है जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, राशन कार्ड ताकि कई बैंको से अच्छा मोटा पैसा लोन के रूप लिया जा सके इसी तरहा अपने पूरे गिरोहो मे ऐसे 8 सदस्यों को शामिल किया हुआ है के उनके नाम सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन जलसाजो के नाम पर रजिस्ट्री करवा ली तत्पश्चात, ऐसे बैंको को ढुडा जाता हैं जहाँ अपनी जुगाड़ का बैंक हो ओर वहाँ से करोडो रूपए का लोन ले लिए जा सके और हुआ भी वही की जैसे तैसे उन बैंको की शाखाओ से लोन करा लिया गया। कृषि भूमियाँ जिनका नमन्तरण आज तक भी नहीं हुआ है पर फिर भी उन पर एक दो करोड़ों का लोन नहीं कई सौ करोड़ का लोन एवं कृषि भूमियो पर प्लाट दिखा कर भी लोन लिया गया हैं और इन्ही लोनो को ले कर शादाब खान एंड गिरहो चंपात हो गया हैं इस गिरोह मे कई बैंको के अधिकारी, चेर्टेड अकाउंटेट, बैंक से सेटिंग कर प्रॉपर्टी सर्वायर कम मूल्य की जगह ज्यदा की सर्वे रिपोर्ट दे कर लोन ले लेते है इस गिरोह की नजर उन जमीन दुकान मकान प्लाटो पर रहती हैं जिनके मालिक कई सालो से अपनी प्रॉपटीर्यो पर गए ही नहीं या फिर उन्हें मालूम ही नहीं पडता हैं और उन पर बैंको से लोन हो जाता हैं इनमे बैंको की भूमिका संदयस्पद हैं जो ऐसी प्रॉपर्टी पर बिना जाँच पडताल के लोन दे देती हैं। ईडी डिपार्टमेंट (प्रवर्तन निदेशालय) व ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) के द्वारा ऐसी बैंको और उनके द्वारा पूर्व में दिए गए लोनो पर तुरंत जांच कर हो रही हैं।

सामपदकीय

चिकित्सा तंत्र की संवेदनहीनता की एक और घटना

तमाम राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में पैसा पानी की तरह बहाया जाता है, क्यों नहीं समाज के अंतिम व्यक्ति के उपचार के लिये आखिरी आश्रय स्थल सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने के लिये योगदान दिया जाता? हमारे जनप्रतिनिधि क्यों नहीं इस दिशा में पहल करते?

आये दिन छोटे-बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों में ऐसे किस्से उजागर होते हैं, जो चिकित्सा तंत्र की संवेदनहीनता को दर्शाते हैं। लेकिन लुधियाना के सिविल अस्पताल में एक मरीज के साथ एक ही बैड पर शव रखना वाकई परेशान करने वाली घटना है। हालांकि, पहले कहा गया कि अज्ञात मरीज का शव एक अन्य मरीज के बिस्तर पर दो घंटे से अधिक समय तक रहा, बाद में विभागीय जांच में अवधि को 37 मिनट बताया गया। बहरहाल, घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले में प्रशासनिक जांच के आदेश दिये गए हैं, लापरवाही की जवाबदेही तय करके कार्रवाई की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से घटना परेशान करती है। निस्संदेह, उस मरीज की मनःस्थिति को समझा जा सकता है जो शव के साथ लेटा रहा होगा। यह घटना हमारे सरकारी अस्पतालों की बदहाली को बताती है, जिसके चलते कि एक बैड पर दो-दो मरीजों को लिटाया जाता है। ऐसे में रोगियों को अन्य संक्रमण होने की भी प्रबल संभावना बनी रहती है। विडंबना यह है कि इन अस्पतालों में वे ही मरीज आते हैं, जो मजबूरी के मारे होते हैं। वे प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने में सक्षम नहीं होते। बताया जाता है कि मरने वाले मरीज को नौ अप्रैल को लुधियाना के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी जांघ की हड्डी टूटी थी। इस अज्ञात मरीज के साथ कोई तीमारदार भी नहीं था। लगता है कि उसे समय रहते पर्याप्त उपचार नहीं मिल पाया। बताया जाता है कि बारह अप्रैल को किसी डॉक्टर ने मरीज की फाइल में नोट लिखा कि मरीज बिस्तर पर नहीं पाया गया, जबकि मरीज चलने-फिरने में सक्षम नहीं था। उसकी फाइल में कुछ और नोट्स भी हैं लेकिन लिखने वाले डॉक्टर का नाम उसमें नहीं था। चौदह अप्रैल को मरीज को दूसरे अस्पताल में रैफर किया गया, लेकिन रैफर करने वाले डॉक्टर का उसमें उल्लेख नहीं है।

कालांतर 15 अप्रैल को मरीज की सुबह ग्यारह चालीस पर मौत होना बताया गया है। शव को सवा बारह बजे के बाद मोर्चरी में शिफ्ट किया जाना बताया गया। मामले के तूल पकड़ने के बाद लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर ने मामले की जांच शुरू की है। बहरहाल, मामले की हकीकत जांच के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन घटना ने एक बार फिर सिविल अस्पतालों में प्रबंधन की खामियों को उजागर ही किया है। बताते हैं कि नौ अप्रैल को भर्ती अज्ञात मरीज को ग्यारह अप्रैल तक उपचार नहीं मिला। कहना कठिन है कि उस मरीज के साथ क्या हादसा हुआ जिससे उसकी जांघ की हड्डी टूटी। क्या वो कोई राहगीर था जो किसी वाहन से हुई दुर्घटना का शिकार हुआ? यदि वह स्थानीय था तो उसके तीमारदार क्यों नहीं आए? क्या वह किसी आपराधिक साजिश का शिकार हुआ? बहरहाल, एक बात तो तय है कि दुर्भाग्य का मारा अज्ञात मरीज सिविल अस्पताल में कोताही का शिकार हो गया। बहुत संभव है कि समय रहते उसे उपचार मिलता तो शायद उसकी जान बच जाती। सवाल यह है कि गरीबों की अंतिम उम्मीद बने सरकारी अस्पतालों की बदहाली सुधारने के प्रयास क्यों नहीं किये जाते? लुधियाना जैसे बड़े व समृद्ध शहरों में तमाम व्यक्ति व समाजसेवी संगठन जनसेवा हेतु सक्रिय रहते हैं, क्यों नहीं इन अस्पतालों में पर्याप्त बैड उपलब्ध कराने के प्रयास होते हैं? तमाम राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में पैसा पानी की तरह बहाया जाता है, क्यों नहीं समाज के अंतिम व्यक्ति के उपचार के लिये आखिरी आश्रय स्थल सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने के लिये योगदान दिया जाता? हमारे जनप्रतिनिधि क्यों नहीं इस दिशा में पहल करते? जनता को इन अस्पतालों में जीवन रक्षा उपकरणों व बैड आदि की व्यवस्था कराने के लिये सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह भी हकीकत है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का भारी दबाव है। अस्पतालों को पर्याप्त मात्रा में ग्रांट भी उपलब्ध नहीं करायी जाती ताकि उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो सके। विडंबना यह भी कि यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों का भी अभाव है। युवा डॉक्टर मरीजों के दबाव व आर्थिक लाभों के सम्मोहन में सरकारी सेवाओं में आने से कतराने लगे हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इस मामले में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े किए हैं। सुखबीर बादल ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया- एक तस्वीर एक हजार शब्द बयां करती है। लुधियाना सिविल अस्पताल में एक ही बिस्तर पर पड़े एक मरीज और एक लाश की तस्वीर आम आदमी पार्टी के शासन के तहत पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं का सच्चा प्रतिबिंब है।

स्थिर और मजबूत रुपए की आहट

कई दशकों की लगातार गिरावट के बाद वर्ष 2023-24 में रुपया स्थिर होने लगा है, खासकर इसकी तीसरी और चौथी तिमाही में। हम कह सकते हैं कि वर्ष 2023-24 भारतीय रुपए के लिए बहुत शुभ रहा। वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में रुपया-डॉलर विनिमय दर 83.0 रुपए प्रति डॉलर के आसपास स्थिर हो गई। इस प्रकार की स्थिति आम तौर पर अतीत में नहीं देखी गयी है।

कई दशकों की लगातार गिरावट के बाद वर्ष 2023-24 में रुपया स्थिर होने लगा है, खासकर इसकी तीसरी और चौथी तिमाही में। हम कह सकते हैं कि वर्ष 2023-24 भारतीय रुपए के लिए बहुत शुभ रहा। गौरतलब है कि वर्ष 2023-24 की पहली दो तिमाहियों में रुपए में डॉलर के मुकाबले मात्र 1.0 प्रतिशत का अवमूल्यन हुआ था। लेकिन इस वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में रुपया-डॉलर विनिमय दर 83.0 रुपए प्रति डॉलर के आसपास स्थिर हो गई। इस प्रकार की स्थिति आम तौर पर अतीत में नहीं देखी गयी है। हम देखते हैं कि 1980 के दशक से ही रुपए का मूल्य लगातार गिरता रहा है, जब हमारा देश प्रशासित विनिमय दर की व्यवस्था से हटकर बाजार द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर आ गया था। यह उल्लेखनीय है कि रुपया-डॉलर विनिमय दर 1982 में 9.46 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर से बढकर 31 मार्च 2023 में 82.17 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर हो गई थी। इसका अभिप्राय यह है कि 1982 से लेकर मार्च 2023 तक डॉलर में 868.6 प्रतिशत की गिरावट आई है, यानी पिछले 41 सालों में 5.41 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से रुपए का अवमूल्यन हुआ है। ऐसा देश में तेजी से बढ़ते आयातों और उससे कहीं कम गति से बढ़ते निर्यातों के कारण हुआ है।

पिछले एक साल में, हम माल और सेवाओं के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं। चालू खाते पर घाटा वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में घटकर केवल 28 अरब अमरीकी डॉलर रह गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 1.2 प्रतिशत है। चौथी तिमाही के पहले दो महीनों में घाटा अधिशेष में बदल गया है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रहती है, तो पूरे वर्ष के लिए चालू खाते पर घाटा लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर तक कम हो सकता है, जो सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत से भी कम हो सकता है, जो वर्ष 2022-23 के चालू खाते पर घाटे (66 बिलियन अमरीकी डॉलर, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 प्रतिशत) से बहुत कम है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, हालांकि थोड़ा कम है, लेकिन भारतीय मूल के लोगों से आने वाले प्रेषण में वृद्धि से इसकी भरपाई हो रही है। इसी प्रकार, अमरीका और यूरोप में बढ़ती बेरोजगारी के बावजूद, भारतीय मूल के लोगों से आने वाले धन में वृद्धि जारी रही और 2022-23 में 125 अरब अमरीकी डॉलर के मुकाबले 2023-24 में इसके 135 अरब अमरीकी डॉलर होने की संभावना है।

प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही हम डॉलर के मूल्य में निरंतर वृद्धि देख रहे हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने आपूर्ति के बदले में संयुक्त राज्य अमरीका को सोने में भुगतान करना शुरू कर दिया, जिसके कारण अमरीका दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध की समाप्ति के बाद विभिन्न देशों ने अपनी मुद्राओं को डॉलर से जोड़ दिया और इसके साथ ही दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड समाप्त हो गया और इस प्रकार डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा मुद्रा बन गई। सभी देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार का अधिक से अधिक हिस्सा डॉलर के रूप में रखने लगे। लेकिन वर्ष 2000 के बाद अंतरराष्ट्रीय रिजर्व मुद्रा के रूप में डॉलर का महत्व कम होता गया और अब यह लगभग 58 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इतिहास में दुनिया भर के देशों के डॉलर के प्रति आकर्षण के कारण, डॉलर दुनिया की अन्य मुद्राओं, विशेष रूप से विकासशील देशों की मुद्राओं के मुकाबले लगातार मजबूत होता गया। भारत में जहां 1964 में एक डॉलर केवल 4.66 रुपए के बराबर था और अब यह लगभग 83.38 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है। शायद इसीलिए दुनिया के सभी देश डॉलर को आरक्षित मुद्रा के रूप में रखने और अपने सभी अंतरराष्ट्रीय भुगतान केवल डॉलर में करने में रुचि रखते हैं। डॉलर की इस बढ़ती मांग के कारण, डॉलर साल दर साल मजबूत होता रहा। हालांकि वर्ष 2000 में अंतरराष्ट्रीय रिजर्व करंसी के रूप में अमरीकी डॉलर का हिस्सा 70 प्रतिशत से घटता हुआ अभी तक मात्र 58 प्रतिशत ही रह गया है, लेकिन अमरीकी फेडरल रिजर्व का दावा है कि अमरीकी डॉलर वैश्विक स्तर पर सबसे पसंदीदा मुद्रा बनी हुई है, लेकिन समझना होगा कि डॉलर की लोकप्रियता में गिरावट निरंतर जारी है। हम देखते हैं कि अधिकांश देश धीरे-धीरे, लेकिन निश्चित रूप से डॉलर व्यापार से दूर जा रहे हैं। इसके बजाय वे व्यापार का निपटान अपनी मुद्राओं में करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, भारत पहली बार व्यापार निपटान के लिए रुपया-व्यापार तंत्र को बढ़ावा दे रहा है, और लगभग 20 देशों ने, जिनमें अन्य देशों के अलावा सिंगापुर, ब्रिटेन, मलेशिया, इंडोनेशिया, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान, कतर भी शामिल हैं, इसके लिए सहमति व्यक्त की है और इसे सुविधाजनक बनाने के लिए वास्ट्रो खाते खोले हैं। चीन भी युआन में व्यापार निपटान के लिए जोर दे रहा है। ये वैकल्पिक व्यापार निपटान तंत्र धीरे-धीरे गति पकड़ रहे हैं। हालांकि, डॉलर का हिस्सा अभी भी लगभग 58 प्रतिशत है, फिर भी यह बदलाव स्पष्ट और ध्यान देने योग्य है। अमरीकी डॉलर के प्रभुत्व और व्यापार के निपटान के लिए बड़ी मात्रा में अमरीकी डॉलर रखने की मजबूरी, सामान्य रूप से दुनिया और विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए यह बहुत शुभ नहीं रही है। डॉलर का वैश्विक रिजर्व करंसी के रूप में प्रभुत्व विकासशील देशों के लिए शुभ नहीं रहा है। एक तरफ अमरीकी डॉलर की अस्थिरता और दूसरी तरफ उसके बावजूद डॉलरों के भंडार को रखने की मजबूरी ने उन्हें नुकसान पहुंचाया है। हाल ही में रूस-यूक्रन संघर्ष और दुनिया में अन्य प्रकार से अशांति और बाधाओं के कारण से कुछ विकासशील देशों और क्षेत्रीय ब्लॉकों द्वारा घरेलू मुद्राओं में व्यापार करने के प्रयासों को मदद मिली है, जिससे अमरीकी डॉलर पर निर्भरता कम हुई है। इसने अमरीकी वैश्विक वित्तीय आधिपत्य के लिए एक बड़ा झटका दिया है। कच्चे तेल के आयात में अमरीकी डॉलर की अनिवार्यता की समाप्ति, गैर-डॉलरीकरण और अंतरदेशीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग में वृद्धि की दिशा में चल रहे वैश्विक रुझान को दर्शाती है। सबसे पहले, रूस से कच्चे तेल की बड़ी खरीद और रुपए और गैर-डॉलर मूल्यवर्ग के भुगतान करना, भारत-यूएई द्वारा भारतीय रुपए में समझौता, दक्षिणी विश्व के देशों के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है। यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार करने से विकासशील देशों को बड़े लाभ हुए हैं, जिसमें विनिमय दरों में कमी और अमरीकी डॉलर से जुड़ी अस्थिरता को कम करके व्यापार को अधिक पूवार्नुमानित और स्थिर बनाना शामिल है।

गौरतलब है कि पिछले लगभग 3 दशकों से ज्यादा समय से देश में आयात तेजी से बढ़े हैं, जबकि निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है। देश में बढ़ती आमदनियों और औद्योगिक विकास के अभाव में देश में आयात लगातार बढ़ते गए और निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई, यह देश में रुपए के अवमूल्यन का एक बड़ा कारण बना। लेकिन वर्ष 2021 में कोरोना महामारी से सीख लेते हुए भारत ने तेजी से आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना शुरू किया है। पीएलआई यानी उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन के माध्यम से अब उन सब उद्योगों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो गैरबराबरी की विदेशी प्रतिस्पर्द्धा के कारण बंद हो गए थे। इसके साथ ही साथ नई पीढ़ी के उद्योगों जैसे सोलर विद्युत उपकरण, सेमी कंडक्टर, टेलीकॉम और ड्रोन इत्यादि को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास चल रहा है। इन सब प्रयासों के मद्देनजर सरकार द्वारा प्रोत्साहित सभी क्षेत्रों में निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिल रही है। इन सबके कारण जहां एक ओर आयातों पर अंकुश लगेगा, निर्यातों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इससे भारत का व्यापार घाटा और भुगतान शेष घाटा कम होंगे।

सियासतः चुनावों में चुनौती बन रहा चीन... भारत के साथ स पर भी है ड्रैगन की तिरछी नजर

चीन मतदाताओं को सबसे ज्यादा किस चीज से विभाजित किया जा सकता है, इस पर मतदान कराने के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल कर रहा है, ताकि मतभेद पैदा हो सकें। आशंका है कि वह भारत में लोकसभा चुनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को भी प्रभावित कर सकता है।

हाल के वर्षों में, प्रौद्योगिकी और राजनीति का जुड़ाव तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में संभावित हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत के लोकसभा चुनाव सहित कई अन्य चुनावों को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपोयोग कर सकता है। यह लेख इस मुद्दे के बहुआयामी आयामों को रेखांकित करता है और तकनीकी, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक निहितार्थों की खोज करता है। ताइवान के अनुभवों के जरिये इसकी भी पड़ताल की गई है कि इनसे निपटने में सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि चीन सोशल मीडिया के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा बनाई गई राजनीतिक सामग्री वितरित करेगा, जो %इन हाई-प्रोफाइल चुनावों में उसके हितों को लाभ पहुंचा सकता है%, क्योंकि एआई से तेजी से मीम्स, वीडियो और ऑडियो सामग्रियां बन रही हैं। कंपनी ने जून, 2023 से चीन और उत्तर कोरिया में 'कुछ उल्लेखनीय साइबर रुझान देखे हैं, जो न केवल अपने परिचित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, बल्कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अधिक जटिल प्रभावी तकनीकों का उपयोग करने का भी प्रयास करते हैं।% माइक्रोसॉफ्ट ने दावा किया है कि चीनी साइबर हमलावरों ने तीन लक्ष्य क्षेत्रों को चुना है- दक्षिण प्रशांत द्वीप समूह के देश, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में उसके क्षेत्रीय विरोधी और अमेरिकी रक्षा औद्योगिक आधार। चीनी अभियान एआई-जेनरेटेड या

एआई-समर्थित सामग्री को परिष्कृत करना जारी रखते हैं। इन अभियानों के पीछे के खिलाड़ियों ने एआई-जनरेटेड मीडिया को बढ़ाने की इच्छा दर्शाई है, जो उनके रणनीतिक आख्यानों को लाभ पहुंचाता है, साथ ही वे वीडियो, मीम्स और ऑडियो सामग्री भी बनाते हैं।

चीन, मतदाताओं को सबसे ज्यादा किस चीज से विभाजित किया जा सकता है, इस पर मतदान कराने के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल कर रहा है, ताकि मतभेद पैदा हो सकें। वह संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को भी अपने पक्ष में प्रभावित कर सकता है। उत्तर कोरिया ने अपने सैन्य लक्ष्यों और गुप्तचर जानकारी संग्रह को वित्तपोषित करने और आगे बढ़ाने के लिए क्रिप्टोकरंसी लूट और आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वाले हमलों को बढ़ा दिया है। इसने अपने कार्यों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए एआई का उपयोग करना भी शुरू कर दिया है।

सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने चीन द्वारा एआई का इस्तेमाल कर भारत, अमेरिका और दक्षिण कोरिया सहित कई देशों में चुनावों को बाधित करने की आशंका से संबंधित जो चेतावनी जारी की है, वह चिंताजनक है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के अनुसार, चीन आगामी प्रमुख चुनावों में विशेष रूप से अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए एआई द्वारा बनाई गई सामग्री का इस्तेमाल कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट एनालिसिस सेंटर (एमटीएसी) की रिपोर्ट इस आसन्न खतरे को रेखांकित करती है कि %इस साल दुनिया भर में होने वाले प्रमुख चुनावों को देखते हुए, खासकर भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका में, चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई जनरेटेड सामग्री बनाएगा और उसका प्रचार करेगा।

माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान चीन के कथित ट्रायल रन की खबरों के बाद आई है, जहां उसने जनवरी में एआई द्वारा बनाई सामग्री के जरिये दुष्प्रचार का प्रयास किया था। रिपोर्ट में स्टॉर्म 1376 नामक एक बीजिंग समर्थित समूह का उल्लेख है, जिसे स्पैमोफ्लाज या ड्रैगनब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, जो ताइवानी चुनाव के दौरान अत्यधिक सक्रिय था। यह राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करने के लिए चीन द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग के मामले का अध्ययन करता है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तकनीकी हस्तक्षेप की क्षमता को रेखांकित करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई सामग्री जनमत को प्रभावित करने के लिए संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों और मनोवैज्ञानिक कमजोरियों का फायदा उठा सकती है। माइक्रो टार्गेटिंग और भावनात्मक संदेश जैसी तकनीकों का लाभ उठाकर, एआई एल्गोरिदम इको चैंबर्स बना सकता है, जो मौजूदा विश्वासों को मजबूत करता है और समाज को ध्रुवीकृत करता है। इसके अलावा, %डीपफेक% तकनीक का उदय सूचना के पारंपरिक स्रोतों में विश्वास को कम करते हुए, तथ्य और कल्पना के बीच की बारीक रेखा को धुंधला कर एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है।सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एआई सामग्री के दुरुपयोग को रोकने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहले, इंटरनेट की सीमाहीन प्रकृति क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दों को जटिल बनाती है, जिससे दुर्भावनापूर्ण लोग अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार बिना किसी दंड के काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी नवाचार की तीव्र गति विनियामक प्रयासों से आगे निकल जाती है, जिससे नीति निर्माताओं के लिए उभरते खतरों का सामना करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, एआई सामग्री निर्माण और प्रसार का विकेंद्रीकृत स्वरूप पारंपरिक प्रवर्तन रणनीतियों में बाधा डालता है, जिसके लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है।

डिजिटल युग में लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए चीन द्वारा एआई-जनरेटेड सामग्री के संभावित उपयोग से प्रौद्योगिकी और राजनीति के बीच जटिलता स्पष्ट होती है। ताइवान जैसे अन्य देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि तकनीकी हस्तक्षेप दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को मजबूत विनियामक ढांचा विकसित करने, डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और चुनावों की सत्यनिष्ठा की रक्षा करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। ऐसा करने में विफलता लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करेगी और नागरिकों का अपने राजनीतिक संस्थानों पर भरोसा कम हो सकता है।

सिटी चीफ

सिंघम अगेन में डांस नंबर से भौकाल दिखाएगी ये बॉलीवुड हसीना, मुंबई में पूरी की शूटिंग

भारतीय सिनेमा की चर्चित फ्रेंचाइजी सिंघम की अगली फिल्म सिंघम अगेन आने वाली है। इस फिल्म की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। लंबे ब्रेक के बाद रोहित शेट्टी सिंघम सीरीज की इस अगली फिल्म के साथ आ रहे हैं, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी होंगें। इनके अलावा दीपिका पादुकोण भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म में एक डांस नंबर भी जोड़ा गया है। ...और वह डांस नंबर किस हीरोइन पर फिल्माया जा रहा है, चलिए जानते हैं फिल्म सिंघम अगेन का डांस नंबर करीना कपूर कर रही हैं। खबर है कि अभिनेत्री ने मुंबई में आज इस हॉट डांस नंबर की शूटिंग की है। इस स्पेशल नंबर में वह टाइगर श्रॉफ और अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। करीना कपूर इन दिनों फिल्म क्रू के चलते छाई हुई हैं। करीना, तब्बू और कृति सेनन अभिनीत इस फिल्म ने बॉक्स

ऑफिस पर अछा कलेक्शन किया है।करीना कपूर कई फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ आइटम नंबर का तड़का भी लगा चुकी हैं। दबंग 2 में फेविकॉल, हीरोइन का हलकट जवानी, डॉन का ये मेरा दिलऔर क्या लव स्टोरी है के इट्स रॉकिंग समेत कई गानों पर अपने डांस मूव्स से बेबो धमाल कर चुकी हैं। रोहित शेट्टी की पिछली फिल्म सर्कस फ्लॉप रही थी, जिसमें रणवीर सिंह और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। इस साल वह सिंघम अगेन के साथ दर्शकों के बीच पहुंच रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म क्या जादू करती है! इस फिल्म में अक्षय कुमार सूर्यवंशी के रूप में नजर आएंगे और रणवीर सिंह सिंबा के। बता दें कि सूर्यवंशी और सिंबा रोहित शेट्टी की ही फिल्में हैं फिल्म सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। हाल में सेट से उनकी कुछ तस्वीरें लीक हुईं। दीपिका जल्द ही मां बनने वाली हैं। सामने आई तस्वीरों में उनका बेबी बंप साफ नजर आया। दीपिका सिंघम अगेन में कोई भारी-भरकम एक्शन सीक्रेंस खुद नहीं फिल्माती नजर आएंगी। इसके लिए रोहित शेट्टी ने उनकी बॉडी डबल को रखा हुआ है।

क्या भारत में बैन हो गई हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन'?

आखिर कहां अटक गई देव पटेल की चर्चित फिल्म

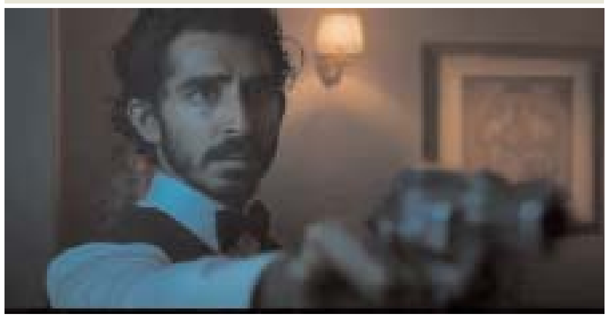

देश की अधिकतर प्रशासनिक मशीनरी के लोकसभा चुनाव में व्यस्त होने और बीते पखवाड़े लगातार छुट्टियां होने के चलते अभिनेता और निर्देशक देव पटेल की बहुचर्चित फिल्म 'मंकी मैन' के भारत में रिलीज होने की तारीख अब तक तय नहीं हो पाई है। हिंसा के अतिरेक से भरपूर फिल्म 'मंकी मैन' में हिंदू देवी देवताओं का जिक्र पश्चिमी देशों के नजरिये से किया जाना भी फिल्म के रास्ते में बड़ी बाधा है। जानकारी के मुताबिक अब तक फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है। भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए हर विदेशी फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड जिसे आम बोलचाल में सेंसर बोर्ड कहा जाता है, में आवेदन करना होता है। यूनीवर्सल पिक्चर्स फिल्म 'मंकी मैन' को भारत में रिलीज करने के लिए अरसे से बेताब रहा है और उसके स्थानीय अधिकारियों ने फिल्म को सेंसर बोर्ड में जरूरी कागजात के साथ जमा भी कर दिया है। लेकिन, सेंसर बोर्ड के सूत्र बताते हैं कि ये फिल्म अब तक परीक्षण समिति (एग्जामिनिंग कमेटी) ने देखी ही नहीं है। बताया तो यहां तक जाता है कि इसके लिए समिति का गठन होना ही शेष है। परीक्षण समिति के फिल्म देखने के बाद ही किसी फिल्म को उसकी कहानी व उसके नजरिये के मुताबिक सेंसर प्रमाण पत्र मिलता है। फिल्म 'मंकी मैन' का ट्रेलर हिंसा के अतिरेक से भरा हुआ और माना यही जा रहा है कि ये फिल्म भारत में 'केवल वयस्कों के लिए' प्रमाण पत्र के साथ ही रिलीज होगी। फिल्म 'एनिमल' अपने हिंसक दृश्यों के लिए हालांकि भारत में रिकॉर्ड सफलता हासिल कर चुकी है, लेकिन फिल्म 'मंकी मैन' की दिक्कतें और भी हैं। और, इसमें सबसे ऊपर जो दिक्कत बताई जा रही है, वह है हिंदू देवी देवताओं के संदर्भ बीच में, अफवाह ये भी उड़ी थी कि फिल्म 'मंकी मैन' को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के अभिनेता देव पटेल इस फिल्म में अभिनय के साथ साथ इसका निर्देशन भी कर रहे हैं। यह उनकी बतौर निर्देशक पहली फिल्म है। फिल्म अमेरिका समेत दुनिया के तमाम दूसरे देशों मे रिलीज हो चुकी है। पर, फिल्म के भारत में रिलीज होने का रास्ता अब तक साफ नहीं हुआ। सेंसर बोर्ड ने फिल्म चूंकि अभी तक देखी ही नहीं है, लिहाजा फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट देने से मना करने की बात सही नहीं है।

अल्लू अर्जुन की फिल्म ने रिलीज से पहले ही 'फाइटर' के बराबर कर ली कमाई, जानिए क्या है हिंदी का सौदा

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 द रूल का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। यह इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसमें तेलुगु सुपरस्टार ने अपने साड़ी वाले लुक में एक्शन करके सभी को हैरान कर दिया था। इस टीजर के रिलीज होने के बाद फैंस का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। ट्रेड जगत में भी यह फिल्म काफी ज्यादा चर्चा में हैं। मेकर्स रिलीज से पहले इस फिल्म के लिए कई बड़ी डील कर रहे हैं। इस साल 15 अगस्त सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही यह फिल्म बड़े पर्दे पर प्रदर्शित होने से पहले ही नए रिकॉर्ड बनाती नजर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बड़े वितरकों में से एक अनिल थडानी ने पुष्पा 2: द रूल के निर्माताओं के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत एए फिल्म्स इस फिल्म को पूरे उत्तर भारतीय क्षेत्र में रिलीज करेगी। बताया जा रहा है कि यह सौदा 200 करोड़ रुपये में हुआ है और पूरी रकम रिफंडेबल है। हिंदी पट्टी के लिए किसी भी दक्षिण भारतीय फिल्म को दी गई यह अब तक की सबसे बड़ी अग्रिम राशि है। कुछ अन्य रिपोर्ट्स में पुष्पा 2: द रूल की शूटिंग की औपचारिकताएं जून में पूरी होने की संभावना जताई गई है। साउथ में भी फिल्म को लेकर जबर्दस्त उत्साह है। फिल्म को बड़े पर्दे पर प्रदर्शित करने के लिए मेकर्स की ओर से बड़ी रकम की मांग की गई है। वहीं, बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन और उनकी टीम फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। कुछ अन्य रिपोर्ट्स में पुष्पा 2: द रूल की शूटिंग की औपचारिकताएं जून में पूरी होने की संभावना जताई गई है। साउथ में भी फिल्म को लेकर जबर्दस्त उत्साह है। फिल्म को बड़े पर्दे पर प्रदर्शित करने के लिए मेकर्स की ओर से बड़ी रकम की मांग की गई है। वहीं, बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन और उनकी टीम फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

द मूवी क्रिटिक नहीं बनाएंगे क्वेंटिन टैरेंटिनो, 10वीं फिल्म को किया छोड़ने का फैसला

हॉलीवुड के सफल निर्देशक में से एक क्वेंटिन टैरेंटिनो इन दिनों अपनी आखिरी फिल्म को लेकर खूब लाइमलाइट बटोर रहे हैं। निर्देशक क्वेंटिन ने अपने करियर की आखिरी फिल्म द मूवी क्रिटिक्स कुछ समय पहले ही अनाउंस की थी। वहीं अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो क्वेंटिन टैरेंटिनो ने अपनी आखरी फिल्म द मूवी क्रिटिक्स को छोड़ने का फैसला कर लिया है। इस फिल्म को लेकर पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म में लीड एक्टर को रोल के लिए हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट को साइन कर लिया है। लेकिन अब क्वेंटिन ने जब इस फिल्म को करने से साफ इंकार कर दिया है, तो उनके लाखों फैंस इस बात से बेहद उदास हो गए हैं।अब क्वेंटिन टैरेंटिनो नहीं बनाएंगे फिल्मक्वेंटिन टैरेंटिनो की फिल्में कई तरह के अचंभो से भरी हुई होती है। अगर बात करे फिल्म द मूवी क्रिटिक की तो इस बात पर किसी को भी यकीन नहीं होगा, कि अब यह फिल्म नहीं बनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो क्वेंटिन ने अपनी दसवीं और आखरी फिल्म को छोड़ने का फैसला कर लिया है, शायद उन्होंने अपना मन बदल लिया है। पहले इस फिल्म में ब्रैड पिट और क्वेंटिन टैरेंटिनो द मूवी क्रिटिक में साथ नजर आने वाले थे।

जब पांच सितारा होटल के बाहर खाने के लिए गिड़गिड़ाईं विद्या, किस्सा जानकर रह जाएंगे हैरान

विद्या बालन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अब तक कई सुपरहिट फिल्मों में वे अपनी अदाकारी से लोगों के दिल जीत चुकी हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन शीर्षा गुहा ठाकुरता ने किया है। फिल्म में इलियाना डिक्रूज और प्रतीक गांधी भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले आज हम आपको विद्या से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा बताने जा रहे हैं। फिल्मों में जबर्दस्त एक्टिंग करने वाली विद्या रियल लाइफ में भी अपनी एक्टिंग का जौहर दिखा चुकी हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि बिस्किट के अतिरिक्त पैकेट पाने की शर्त की वजह से वे एक बार पांच सितारा होटल के बाहर भिखारी बनने का नाटक कर गिड़गिड़ा चुकी हैं। इस बात का खुलासा विद्या ने खुद एक साक्षात्कार के दौरान किया था। उन्होंने बताया था कि हमारा एक आईएमजी ग्रुप हुआ करता था जो हर साल संगीत कार्यक्रम आयोजित करता रहता थे। यह तीन दिनों का उत्सव हुआ करता था। मैं उसमें वॉलिंटियर के रूप में काम किया करती थी। हम प्रोग्राम को आयोजित करने में मदद करते थे और इसके खत्म होने के बाद नरिमन प्वाइंट पर टहलने के लिए जाया करते थे। इस बातचीत में उन्होंने बताया था कि एक बार उन्हें एक चुनौती देते हुए कहा गया कि एक पांच सितारा होटल के कॉफी शॉप का दरवाजा खटखटाकर उन्हें खाने के लिए कुछ मांगना है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि वे अभिनेत्री थीं तो उन्होंने तुरंत अभिनय शुरू कर दिया। विद्या ने बताया कि मैंने बहुत बार दरवाजा खटखटाया और कहती रही कि मैंने कल से कुछ नहीं खाया है। हालांकि, इसके बाद भी वे लोग दूसरी ओर देखने लगे। अभिनेत्री ने बताया कि इसके बाद उनका दोस्त शर्मिंदा हो गया और उन्हें वापस बुला लिया। उन्होंने बताया कि वे ऐसा करके यह शर्त जीत गई थीं। ऐसा उन्होंने एक बिस्किट का पैकट जीतने के लिए किया था।

विद्या बालन ने जाहिर की अपनी दिली ख्वाहिश

बोलीं - इस हीरो के साथ करना चाहती हूं रोमांस

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार जल्द ही रिलीज होने वाली है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि वह बॉलीवुड के इस खास हीरो के साथ रोमांस करना चाहती हैं।

पहले साथ नजर आ चुके हैं दोनों स्टार्स विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। हमेशा से ही उनका यही मकसद रहा है कि वह अपनी फिल्मों के जरिए फैंस को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट दे सकें। हो सकता है कि यही वजह है कि विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म %हे बेबी% में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं।

दो और दो प्यार के प्रमोशन में हैं व्यस्त विद्या बालन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म दो और दो प्यार को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी फिल्म के लिए दिए हुए एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि हंसना और हंसाना है, थोड़े दिनों के लिए, थोड़े टाइम के लिए, थोड़े सालों के लिए।

फिल्म दो और दो प्यार फिल्म दो और दो प्यार में विद्या बालन और प्रतीक गांधी के अलावा इलियाना डिक्रूज और सेंधिल राममूर्ति नजर आएंगे। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विद्या बालन को एक नए अवतार में देखने के लिए उनके फैंस बेकरार हैं।

दो फिल्मों की शूटिंग करेंगे मार्टिन स्कोर्सेसे, जीसस-फ्रैंक सिनात्रा की बायोपिक से होगा धमाल

मार्टिन स्कॉर्सेसी ने हाल ही में एक हिट क्राइम थ्रिलर फिल्म किलर्स ऑफ द फ्लावर मून की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने 10 ऑस्कर नामांकन प्राप्त किए। अब वे अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। निर्देशक की आगामी परियोजनाओं का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वे एक के बाद एक दो फिल्में शूट करने की योजना बना रहे हैं। पहली यीशु के बारे में और दूसरी फ्रैंक सिनात्रा की बायोपिक है। %वुल्फ ऑफ वॉल स्ट्रीट% के निर्देशक की नजर मशहूर गायक फ्रैंक सिनात्रा की बायोपिक पर है। हालांकि, दिवंगत गायिका की बेटी टीना सिनात्रा ने अभी तक इसे हरी झंडी नहीं दी है, लेकिन स्कोर्सेसे ने पहले ही फिल्म के लिए सितारों से सजे कलाकारों की टोली की योजना बना ली है कथित तौर पर वे अपनी दूसरी पत्नी एवा गार्डनर के रूप में जेनिफर लॉरेंस के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए अपने सहयोगी लियोनार्डो डिकैप्रियो को बोर्ड पर लाएंगे। अकादमी पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ ए-सूची अभिनेताओं की दमदार जोड़ी बनेगी। इस वजह से फिल्म ने प्रमुख उत्पादन कंपनियों का ध्यान खींचा है। इसमें एप्पल शामिल है, जिसने स्कोर्सेसे की आखिरी हिट %किलर्स ऑफ द

फ्लावर मून% का निर्माण किया था। हालांकि, कथित तौर पर सोनी इस प्रोजेक्ट को पाने की दौड़ में सबसे आगे है।

लाइफ ऑफ जीसस *निर्देशक की दूसरी परियोजना %लाइफ ऑफ जीसस% है, जो शोसाकू एंडो की 1973 की किताब पर आधारित है। कथित तौर पर वे फिल्म के प्रति एक अलग दृष्टिकोण रखेंगे और स्टूडियो सिस्टम से दूर स्वतंत्र रूप से इसका निर्माण करेंगे। यह स्व-वित्तपोषित फिल्म उनकी फिल्म साइलेंस को बोर्ड पर ला सकती है, जिसे स्कोर्सेसे-सहयोगी एंड्रयू गारफील्ड ने भी स्व-वित्तपोषित किया था। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि वे यीशु या उनके किसी शिष्य की भूमिका निभाएंगे या नहीं। इसके अलावा इस परियोजना के लिए माइल्स टेलर पर भी नजर रखे जाने की अफवाह है। माना जा रहा है कि गोलीबारी इजराइल, इटली और मिस्र में हो सकती है, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।*

केप फियर पर जानकारी *जॉज और टैक्सी ड्राइवर के निदेशक एप्पल टीवी प्लस सीरीज केप फियर के लिए हाथ मिला सकते हैं। कथित तौर पर दिग्गज निर्देशक इस परियोजना का कार्यकारी निर्माण करेंगे, जो 1991 और 1962 की यूनिवर्सल फिल्मों पर आधारित होगी। 1991 की फिल्म का निर्देशन स्कॉर्सेज द्वारा किया गया था और उस समय स्पीलबर्ग के एंबलिन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया था।*

सहारनपुर में लोकसभा चुनाव के पहले चरण

पश्चिम की सहारनपुर मंडल की चार में से दो पर सीधा और दो पर त्रिकोणीय मुकाबला

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, 18वीं लोकसभा के पहले चरण के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान का प्रचार 24 घंटे बाद कल बुधवार शाम छह बजे बंद हो जाएगा। सहारनपुर मंडल की चार लोकसभा सीटों में से सहारनपुर और बिजनौर पर क्रमशः कांग्रेस, भाजपा और बसपा और रालोद-बसपा-सपा में त्रिकोणीय मुकाबला है। जबकि कैराना में गठबंधन सपा उम्मीदवार इकरा हसन और भाजपा के मौजूदा सांसद प्रदीप चौधरी और मुजफ्फरनगर सीट पर गठबंधन के सपा उम्मीदवार पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक और भाजपा उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री डा. संजीव बालियान के बीच सीधा मुकाबला है। इन जाट बाहुल्य चारों सीटों पर रालोद नेता जयंत चौधरी की प्रतिष्ठा दांव पर है। रालोद का इस चुनाव में भाजपा से गठबंधन है। रालोद बागपत और बिजनौर सीट पर चुनाव लड़ रही है। पहले चरण के चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी चुनाव प्रचार कर चुके हैं।

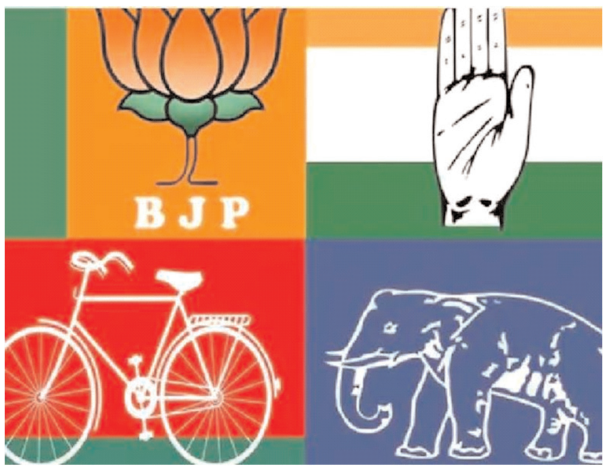

सहारनपुर सीट पर भाजपा पिछला चुनाव हार गई थी। भाजपा से बार उसके उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा, कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद और बसपा उम्मीदवार माजिद अली कड़े संघर्ष में उलझे हुए हैं। आज मंगलवार शाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर नगर में अग्रवाल धर्मशाला से लेकर घंटाघर चौक तक रोड़-शो निकाला। तीन बार पहले भी योगी आदित्यनाथ राघव लखनपाल शर्मा के लिए चुनाव प्रचार में आ चुके हैं।

इमरान मसूद के पक्ष में कल बुधवार को प्रियंका गांधी वाड्रा रोड़-शो निकालेंगी। बसपा के पक्ष में मायावती देवबंद में दो दिन पहले चुनाव सभा को संबोधित कर चुकी हैं। कैराना में भाजपा उम्मीदवार को सैनी और राजपूतों की एक वर्ग की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। बसपा उम्मीदवार श्रीपाल राणा राजपूतों में सेंधमारी कर रहे हैं। जयंत चौधरी के कारण जाट कैराना के पक्ष में लामबंद है। चुनाव मैदान में इकरा हसन अकेले मुस्लिम उम्मीदवार है। इस सीट पर सबसे 'यादा सवा छह लाख मुस्लिम मतदाता हैं। 27 वर्षीय इकरा हसन लंदन से उ'च शिक्षा प्राप्त कर वह अपने चुनाव अभियान की खुद अगुवाई कर रही है। देर रात तक मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें प्रभावित करने के प्रयासों में लगी है। मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर दो प्रमुख जाटों भाजपा के संजीव बालियान और सपा के हरेंद्र मलिक के बीच कांटे का मुकाबला है। इस सीट पर किसी भी मुस्लिम उम्मीदवार का ना होने का फायदा हरेंद्र मलिक को मिल रहा है। भाजपा के संजीव बालियान धाकड़ नेता की छवि रखते हैं। उनके निजी प्रभाव के कारण उनके आसपास के सहयोगी उनके साथ चुनाव प्रचार में लगे हैं। संजीव बालियान पिछले दो चुनाव जीत चुके हैं। पिछली दफा उन्होंने चौधरी अजित सिंह को हराया था। बिजनौर सीट पर रालोद के ×4 वर्षीय युवा उम्मीदवार चंदन चौहान चुनाव लड़ रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश के पहले उपमुख्यमंत्री चौधरी नारायण सिंह के पोते और पूर्व सांसद संजय चौहान के बेटे हैं। वह वर्तमान में मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से रालोद विधायक हैं और रालोद की युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। उनके चुनाव प्रचार में आए जयंत चौधरी ने चुनाव सभा में ऐलान किया कि रालोद और भाजपा के बीच संगम हो गया है। यानि दोनों दलों के कार्यकर्ता आपसी समन्वय बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं जिसका दोनों दलों को फायदा मिल रहा है। भाजपा नेता संजय अग्रवाल कहते हैं कि बिजनौर सीट पर पूरी भाजपा उसके नेता और कार्यकर्ता चंदन चौहान के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। बिजनौर सीट पर बसपा के बिजेंद्र चौधरी जो जाट बिरादरी से हैं अ'छा चुनाव लड़ रहे हैं। सपा ने यहां अपने विधायक के पुत्र दीपक सैनी को उम्मीदवार बनाया है। दीपक सैनी को सैनी बिरादरी के साथ-साथ मुस्लिमों का भारी समर्थन मिल रहा है। बसपा उम्मीदवार बिजेंद्र चौधरी मुस्लिम मतदाताओं में सेंध लगा रहे हैं। ऐसी सूरत में बिजनौर सीट पर रोचक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।

सहारनपुर के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. धर्म सिंह सैनी भाजपा में हुए शामिल

डॉक्टर धर्म सिंह सैनी की भाजपा में वापसी से उनके चाहने वालों में खुशी की लहर दौडी

सहारनपुर - सहारनपुर जनपद के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री डा.धर्म सिंह सैनी आखिरकार एक बार फिर भाजपा में शामिल हो गए है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया ने मेरठ में बागपत रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में डा.धर्म सिंह सैनी के भाजपा में शामिल होने की घोषणा की है। डा.धर्म सिंह सैनी के भाजपा में शामिल होने से पिछले काफी दिनों से चल रही ऊहापोह की स्थिति पर भी अब विराम लग गया है। जानकारी के अनुसार मेरठ के क्षेत्रीय कार्यालय में मीडिया को बुलाकर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसौदिया ने पूर्व मंत्री डा. धर्म सिंह की उनके समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होने की घोषणा की है। क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसौदिया ने डॉ. धर्म सिंह सैनी को भाजपा में शामिल होने पर भाजपा का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसौदिया ने कहा कि डा. धर्म सिंह सैनी की घर वापसी हो गई है। डा. धर्म सिंह सैनी सन् 2007 से 2012 तक बसपा सरकार और 2017 से 2022 तक भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री

रहे है। 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था और समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। वह सहारनपुर जनपद की नकुड विधान सभा से चार बार विधायक रहे हैं। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन, ऋतुराज समेत कहीं भाजपा नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव से पहले भाजपा ने डा.धर्म सिंह सैनी को पार्टी में शामिल कर सपा को यह बडा झटका दिया है। सहारनपुर क्षेत्र में डा.धर्म सिंह सैनी की अ'छी पकड़ मानी जाती है। सैनी वोटो के कारण भाजपा में डा.धर्म सिंह सैनी की वापसी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दे कि पिछले काफी लंबे समय से डा. धर्म सिंह सैनी के भाजपा में जाने की चर्चाएं चल रही थी लेकिन किसी कारणवश भाजपा में उनकी एंट्री नहीं हो पा रही थी। डॉक्टर धर्म सिंह सैनी की भाजपा में वापसी होने पर उनके चाहने वालों में खुशी की लहर दौड गई है। इस दौरान डा. धर्म सिंह सैनी के करीबी अशोक बुडेडा और ओमपाल सैनी भी मौजूद रहे।

खजुराहो के भाजपा प्रत्याशी वी डी शर्मा पहुंचे कटनी

विपक्षी दलो को बताया नक्सलवाद और आतंकवाद समर्थक

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी पहुंचे खजुराहो लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी वी डी शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा दौरान कहा की खुजराहों लोकसभा में जिस फारवर्ड ब्लाक के प्रत्याशी का इंडिया गढ़बंधन समर्थन कर रही है वह नक्सलवाद का समर्थन करते है और वे लोग देश विरोधी ताकतों के साथ काम करने वाले लोग है। ये दुर्भाग्य है की इंडिया गंठबंधन नक्सलवाद और आतंकवाद के समर्थकों का समर्थन कर रही है।

खजुराहो के भाजपा प्रत्याशी वी डी शर्मा ने इंडिया गठबंधन के बारे में यह भी कहा की लोकसभा चुनाव के पहले ही वह मैदान छोड़ भाग गए और अब खजुराहो लोकसभा के फारवर्ड ब्लाक के प्रत्याशी आर बी प्रजापति का समर्थन कर रहे है। साथ ही कांग्रेस खजुराहो में उस स्थिति में पहुंच गई है जो फ़ारववर्ड ब्लाक का समर्थन कर रही वो

फॉरवर्ड ब्लाक जो वामपंथी विचारों का संगठन है जो नक्सलवाद का समर्थन करता है और आतंकवाद फैलाने वाले के साथ काम करते है। खजुराहो के भाजपा प्रत्याशी सबसे पहले मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल को जन्मदिवस की बधाई दी और कटनी चुनाव चुनाव कार्यालय पहुंचे जहा कांग्रेसी पार्षद, पूर्व पार्षद और अधिवक्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई। पार्षद वंदना यादव उनके पति पूर्व पार्षद राज किशोर यादव, पार्षद शकुंतला सोनी सहित सैकड़ो लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता ली। वही मीडिया कर्मियों से बात करते हुए वी डी शर्मा ने कहा की देश की जनता सिर्फ और सिर्फ मोदी के साथ है।

दो दिन और नामांकन, 12 दस्तावेज में एक दिखाकर डाल सकते हैं वोट

ग्वालियर- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित लोकसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन का सिलसिला 18 अप्रैल को फिर से शुरू होगा। नामांकन के लिए अब दो दिन शेष बचे हैं। प्रत्याशी अथवा उनके प्रस्तावक अब 18 व 19 अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक रिटर्निंग अधिकारी अथवा सहायक रिटर्निंग अधिकारी को नामांकन प्रस्तुत कर सकेगें। ज्ञात हो ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र में अब तक कुल छह प्रत्याशियों द्वारा अपनी नामजदगी के पर्चे दाखिल किए गए हैं।नामांकन पत्रों की संवीक्षा 20 अप्रैल को होगी ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में प्राप्त नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) 20 अप्रैल को होगी। 22 अप्रैल को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इन सभी दिवसों में सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक उक्त कार्रवाई संपादित होगी। ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र में सात मई को मतदान और चार जून को मतगणना होगी। ज्ञात हो ग्वालियर कलेक्ट्रेट में कलेक्टर न्यायालय कक्ष में बनाए गए रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। वोटर कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक दस्तावेज, कोई भी करें उपयोग- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित कराई जा रहीं हैं। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का क्रमांक, पता, निर्वाचक

नामावली में क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, तो फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों के आधार पर मतदाता अपना वोट डाल सकेंगे। फोटोयुक्त वोटर स्लिप को जानकारी-मार्गदर्शन के लिए उपयोग की जा सकेगी, लेकिन पहचान प्रमाण-पत्र के रूप में नहीं। यदि फोटो ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो पाने से मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाना होगा।

यह हैं 12 दस्तावेज

वैकल्पिक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जाब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) शामिल हैं।

बीकाम पास शिवानी ने लड्डू गोपाल के साथ विवाह रचाया

ग्वालियर- भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में मीरा की तरह भक्तिरस में डूबी शिवानी ने रामनवमी को अपना जीवन श्रीकृष्ण के चरणों में समर्पित कर दिया। बीकाम पास शिवानी ने लड्डु गोपाल के साथ सनातन धर्म की वैवाहिक रीति-रिवाज के साथ विवाह किया।यह विवाह कैंसर पहाड़िया पर स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पर हुआ।मथुरा-वृंदावन से लड्डु गोपाल की बारात बैंड बाजों के साथ आई। इस अनूठे विवाह के साक्षी कई श्रद्धालु बने। श्रद्धालुओं ने लड्डु गोपाल व शिवानी के पैर भी पखारे और विदाई भी हुई।बीकाम पास शिवानी परिहार के पिता राम प्रताप परिहार सिक्यूरिटी गार्ड में नौकरी करते हैं। मां मीरा परिहार गृहणी हैं। उनकी दो बेटियां हैं, बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है।घरवालों का कहना है कि शिवानी बचपन से ही श्रीकृष्ण की भक्ति रमी रहती थी।भक्तिभाव के साथ लड्डु गोपाल की पूजा-

अर्चना पूर्ण भक्तिभाव के साथ करती थी। शिवानी ने स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद फैसला किया कि वो विवाह करेगी तो लड्डु गोपाल से ही करेगी, और सारा जीवन उनके श्रीचरणों में समर्पित कर देगी। शिवानी के इस फैसले से आगे घरवालों को भी झुकना पड़ा।

हनुमान मंदिर में मंडप छाया, मथुरा-वृंदावन से आई बारात कैंसर पहाड़िया स्थित हनुमान मंदिर में रामनवमी पर शिवानी का विवाह बड़े ही धूमधाम के साथ सनातन धर्म की विवाह पद्धति के अनुसार सभी रीति-रिवाजों को पूर्ण किया।मथुर-वृंदावन से लड्डु गोपाल की बारात बैंड-बाजो के साथ आई। द्वार पर लड्डु गोपाल का तिलक हुआ और शिवानी ने उन्हे वरमाला पहनाकर अपना जीवन श्रीकृष्ण के चरणों में समर्पित कर दिया।इस विवाह में नगर के कई लोग शामिल हुए।

2400 से ज्यादा नोटिस तामील नहीं पुलिस का टेबल आंकड़ा अब बंद

ग्वालियर- लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए बदमाशों और चुनाव में अशांति फैलाने वालों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में अभी और चुस्ती की जरूरत है। ग्वालियर पुलिस को अभी 2400 से ज्यादा नोटिस तामील कराने हैं। नोटिस घरों पर तामील होंगे जिसके बाद कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रस्ताव फाइनल होगा। अब चुनाव को ज्यादा दिन नहीं बचे हैं लेकिन कार्रवाईयां अभी भी शेष हैं। पिछले दिनों पुलिस और प्रशासन के आंकड़ों में बड़ा अंतर आ गया था क्योंकि पुलिस थानों की टेबलों पर जो बदमाशों के प्रस्ताव तैयार कर लिए जाते थे, वही आंकड़े जारी कर दिए जाते थे, नोटिस फिर तामीली और केस पेश करने की कवायद गायब थी।प्रशासन के अधिकारियों की आपत्ति के बाद अब पुलिस ने इस टेबल आंकड़े को बंद कर दिया है। इसी कारण अब प्रशासन व पुलिस के प्रतिबंधात्मक

कार्रवाईयों के आंकड़े भी मैच हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव में अब तक कुल 6050 बाउंडओवर हो चुके हैं। बता दें कि विधानसभा चुनाव हों या लोकसभा चुनाव, इस दौरान आचार संहिता लागू होने के बाद से बदमाशों व उत्पात करने वाले बदमाशों को बाउंडओवर किया जाता है। इन प्रतिबंधात्मक कार्रवाईयों का आंकड़ा निर्वाचन आयोग को भी रोज भेजना होता है। ग्वालियर में आचार संहिता लागू होने के बाद से धारा 1070 116, धारा 151 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत कार्रवाईयां जारी हैं। पुलिस पेट्रोलिंग के साथ वारंटियों की धरपकड़ जारी है और बाउंडओवर के प्रस्ताव बनाकर प्रशासन को भेजे जा रहे हैं। पिछले दिनों प्रतिबंधात्मक कार्रवाईयों की जिला प्रशासन व पुलिस की बैठक में बड़ा अंतर सामने आया, यह अंतर चार से पांच हजार प्रस्ताव तक पहुंच गया। पड़ताल में सामने आया कि पुलिस थाने जो प्रकरण तैयार करते थे उन्हें ही आंकडों के रूप में पेश कर दिया जाता था जबकि प्रक्रिया पूरी होने के बाद एसडीएम स्तर से आदेश जारी होता है। चार दिन में पांच हजार से ज्यादा केस पेश हो गए पिछले माह 28 मार्च को जिला प्रशासन व पुलिस की बैठक हुई थी जिसके बाद आंकड़े मिस मैच होने की पड़ताल की गई। इसमें जब पुलिस ने सुधार किया तो महज चार दिन में ही पांच हजार से ज्यादा केस पेश कर दिए। इससे यह साफ हुआ कि आंकड़े जारी तो किए जा रहे थे लेकिन प्रस्ताव प्रशासन तक नहीं पहुंच रहे थे। अब यह स्थिति स्पष्ट हो गई है।

कृषि विज्ञान केंद्र में नहीं हुई सब्जियों की पौध, किसान लौट रहे

ग्वालियर। गर्मी के मौसम में इस बार किसान व उद्यानिकी का शौक रखने वालों को कृषि विज्ञान केंद्र से पौध नहीं मिल सकेगी, क्योंकि इस बार कृषि विज्ञान केंद्र में बेल वाली सब्जियों की पौध ही तैयार नहीं की। इससे किसान और उद्यानिकी का शौक रखने वाले लोग विज्ञान केंद्र से मायूस होकर लौट रहे हैं, जबकि इस मौसम में कृषि विज्ञान केंद्र से लोग पौध लेकर अपने घर व खेतों में बनी क्यारी में फसल तैयार करते थे। पौध न मिलने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। हालांकि कृषि विज्ञान केंद्र में पौध लेने आने वालों को केंचुआ खाद और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। बताया गया है कि हर साल अप्रैल माह में दो हजार किसान हरी सब्जी की पौध लेने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचते थे, जो अपनी मनपसंद सब्जी की पौध खरीदकर ले जाते थे। इसी तरह से शहर में किचिन उद्यानिकी का शौक करने वाले पौध खरीदने पहुंचते थे। इसमें मटर, बैंगन, भिंडी, मिर्ची, खीरा, कद्दू, तौरई, लौकी आदि की पौध उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन इस बार इनमें से कोई भी पौध उपलब्ध नहीं है।मार्च माह में पौध लगाना ही भूले कृषि अधिकारियों का कहना है कि फरवरी माह में पौध लगाई गई थी, जो मार्च माह में पौध के रूप में तैयार हो चुकी थी। जिन लोगों को आवश्यकता थी तो वह लोग मार्च माह में पौध लेकर गए। इसके बाद पौध नहीं लगाई गई, जबकि मार्च माह में पौध लगाई जाती थी जिसे लगाना भूल गए, जो पौध मार्च में लगाई जाती थी वह अप्रैल में तैयार हो जाती थी जिसे किसान ले जाते थे और गर्मी के मौसम में हरी सब्जी की फसल अपने खेतों में तैयार करते जो मई के अंत तक आने लगती थी।

इस बार केंचुआ खाद तो तैयार की

कृषि विज्ञान केंद्र में हर साल मार्च माह में प्रत्येक सब्जी की दो से तीन हजार पौध तैयार की जाती थी। इससे किसान और उद्यानिकी का शौक रखने वालों को उपलब्ध कराई जा सके। इसी तरह से उन्हें खाद उपलब्ध कराने के लिए केंचुआ खाद तैयार किया जाता था।

नगर निगम साइकिल ट्रैक पर बना रहा था बस स्टाप, लेकिन अब काम ठप

भोपाल। शहर के लिए मुसीबत बन चुके बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम यानि बीआरटीएस को भले ही हटाया जा रहा है, लेकिन इसके हटते ही साइकिल चालकों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दरअसल डेडिकेटेड लेन से जो स्टाप हटाए जा रहे हैं, उन्हें नगर निगम नर्मदापुरम रोड पर बने साइकिल ट्रैक पर बना रहा है। जिससे साइकिल निकलने की जगह नहीं बचेगी, वहीं दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाएगा। हालांकि रहवासियों की शिकायत के बाद नगर निगम ने अभी बस स्टाप बनाने का काम रोक दिया है।बता दें कि नर्मदापुरम रोड पर एम्प्री से मिसरोद तक करीब 6.7 किलोमीटर का कारिडोर हटाने के लिए सरमन इंडिया कंपनी को ठेका दिया गया है। वर्तमान में एम्प्री से आशिमा माल तक बीआरटीएस हट चुका है, लेकिन इसके अवशेष सड़कों पर पड़े हैं, तो कुछ स्थानों पर डिवाइडर की जगह बैरिकेड्स लगाए गए हैं, लेकिन यह भी कहीं नीचे गिरे हैं, तो कहीं सड़क के बीच में आ रहे हैं। जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

एक तरफ रैलिंग हटाई, डिवाइडर भूले

बता दें कि पीडब्ल्यूडी लालघाटी हलालपुर बस स्टैण्ड से सीहोर नाके तक का कारिडोर हटा रहा है। बैरागढ़ थाने से सीहोर नाके से एक तरफ की रैलिंग हटाते हुए पीडब्ल्यूडी ने यहां रोड का चौड़ीकरण कर दिया है, लेकिन सीहोर नाके से बैरागढ़ थाने तक आने वाले रास्ते से डिवाइडर नहीं तोड़ा, बल्कि बीच में एक संकरा रास्ता बना दिया। वाहन चालक गफलत के कारण इस रास्ते पर कार लेकर घुस रहे हैं और आगे जाकर उन्हें वापस कार लेना पड़ रही है। वहीं चंचल चौराहा से सीहोर नाके की तरफ बस स्टापों के पास कारिडोर में व्यापारियों ने अवैध पार्किंग बना ली। जिससे दिनभर यहां जाम लगता रहता है।

रोशनपुर से कमला पार्क तक रास्ता साफ

रोशनपुरा से कमला पार्क बीआरटीएस कारिडोर के सेक्शन की लंबाई 1.42 किलोमीटर है। यहां से अब पूरी तरह बीआरटीएस हटा दिया गया है। इसके बाद सड़क चौड़ी हो गई है। अब हटाए गए कारिडोर वाले हिस्से में डामरीकरण किया जा चुका है। अब इस पर व्यवस्थित ट्रैफिक भी चल रहा है।

लालघाटी से कलेक्ट्रेट का काम अटका

कलेक्ट्रेट से लालघाटी तक के सेक्शन की लंबाई 1.73 किमी। वर्तमान में वीआईपी रेस्ट हाऊस के सामने से कलेक्ट्रेट तक लेन की दोनों तरफ चादरें लगाकर काम हो रहा है। लोहे की ग्रिल पूरी हट चुकी है, वहीं सीमेंटेड के निर्माण को ड्रिल कर हटाया जा रहा है। कोई वाहन चालक घायल न हो, इसलिए चादरें लगाई गई हैं।

28 हटे, 20 स्टाप हटना बाकी

मिसरोद से बैरागढ़ के बीच 24 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस कारिडोर में 48 बस स्टाप थे। जिसमें 28 हटाए जा चुके हैं, जबकि 20 हटना बाकी हैं। होशंगाबाद रोड पर कारिडोर को हटाने का काम प्रभावित हो रहा है। यहीं सबसे अधिक बस स्टाप हैं। कंपनी का दावा है कि 15 जुलाई तक काम पूरा हो जाएगा।

मप्र में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारियां चाकचौबंद

भोपाल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बुधवार को मप्र की छह सीटों पर शुक्रवार, 19 अप्रैल यानी कल मतदान होगा। इससे पहले निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी तैयारियां कर ली हैं। इस संदर्भ में आज प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन गुरुवार सुबह 11ः30 बजे चुनाव आयोग कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर पहले चरण के मतदान को लेकर तैयारियों का ब्यौरा देंगे।

यहां पर यह बता दें कि बुधवार को केंद्रीय निर्वाचन आयोग के उप चुनाव आयुक्त अजय भादू द्वारा देशभर में चुनाव की तैयारियों को लेकर वर्चुअली समीक्षा बैठक की गई थी। इसमें प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की पूरी तैयारी है। सभी मतदान केन्द्रों पर पेयजल, जरूरी दवाइयों और टेंट की व्यवस्था की जा रही है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के भी प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। राजन ने बताया कि प्रदेश में कुल 871 नाके बनाये गये हैं, जहां पर सतत् निगरानी की जा रही है। इनमें से 309 अंतरराज्यीय और 562 राज्य के अन्दर नाके बनाये गये हैं। लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही है।अब तक 18 करोड़ 30 लाख रुपये की नकदी समेत 117 करोड़ 97 लाख रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की जा चुकी हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को मध्य प्रदेश की सीधी, शहडोल, मंडला, बालाघाट, जबलपुर और छिंदवाड़ा लोकसभा सीटों पर मतदान होगा।

रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में हुआ सफल किडनी ट्रांसप्लांट

प्रदेश के रीवा शहर में स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की नव निर्मित किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट में पहला किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। 29 मार्च को अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज (43 वर्ष) को उसके पति द्वारा किडनी प्रदान की गई। किडनी ट्रांसप्लांट की इस प्रक्रिया को संपन्न करने के साथ रीवा का यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल विंध्य क्षेत्र में किडनी ट्रांसप्लांट करने वाला प्रथम शासकीय संस्थान बन गया है।किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट के नोडल अधिकारी डा. रोहन द्विवेदी ने बताया कि महिला मरीज को 17 अप्रैल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह अब स्वस्थ है। महिला मरीज को नेफ्रोलॉजिस्ट से फॉलोअप लेने तथा सम्पर्क में रहने हेतु सुझाव दिया गया है। सोटो नोडल अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया जटिल थी, परन्तु समस्त टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ट्रांसप्लांट के पश्चात प्रथम तीन माह मरीज के लिए काफी अहम होते हैं।

दिग्विजय को रामद्रोही बताने पर कांग्रेस ने सीएम मोहन यादव की चुनाव आयोग में की शिकायत

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा रामद्रोही और हिंदू-मुस्लिमों को लड़ाने वाला व्यक्ति बताने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। प्रदेश कांग्रेस ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताने हुए चुनाव आयोग में शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, एक अन्य शिकायत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा पर भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं। प्रदेश कांग्रेस के चुनाव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने आयोग को भेजी शिकायत में बताया कि 15 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर की नामांकन रैली में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने जिंदगी भर हिंदू और मुस्लिमों का लड़ाने का काम किया है और वोट का रास्ता ढूंढा है। भगवान राम के मंदिर का लोकार्पण करने का निमंत्रण ठुकराया है। वह सबसे बड़े रामद्रोही हैं। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने भी अपने भाषण में धार्मिक उन्माद फैलाने का काम किया। उन्होंने सभा में कहा था कि राजगढ़ का चुनाव साधारण नहीं है, बल्कि भगवान राम का अपमान करने वाले, भारतीय संस्कृति का अपमान करने वाले, आतंकवादियों को गले लगाने वाले व्यक्ति दिग्विजय सिंह के साथ है।

रीवा के लिए 15 ट्रिप स्पेशल ट्रेन 20 अप्रैल से चलाई जाएगी

रेल प्रशासन द्वारा गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की सहूलियत के लिए रानी कमलापति-रीवा-रानी कमलापति के बीच 20 अप्रैल से समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। 27 जुलाई तक हर शनिवार को यह ट्रेन 15-15 ट्रिप चलाई जाएगी।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेन 02173 रानी कमलापति-रीवा समर स्पेशल ट्रेन 20 अप्रैल से 27 जुलाई तक हर शनिवार को रानी कमलापति स्टेशन से रात 10ः15 बजे रवाना होगी। अगले दिन (रविवार) को बीना और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होती हुई सुबह 7ः20 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। वहीं ट्रेन नंबर 02174 रीवा-रानी कमलापति सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन 20 अप्रैल से 27 जुलाई तक हर शनिवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 12ः30 बजे रवाना होगी। यह रात 9ः15 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्टेशन पर लेगी ठहराव

रास्ते में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बीना, विदिशा, सागर, दमोह, कटनी, मुड़वारा,मैहर और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

महिला की हत्या का खुलासा, प्रेमिका ने पकड़े थे हाथ, पति ने घोंट दिया था गला

भोपाल. बैरसिया थाना पुलिस ने ग्राम रमपुराखुर्द में हुई विवाहित महिला की हत्या के मामले को सुलझा लिया है। महिला को उसके पति ने प्रेमिका की मदद से गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया था। किसी को शक ना हो इसके लिए शव को घर में खटिया पर लाकर डाल दिया था। पुलिस ने पति और उसकी प्रेमिका विधवा महिला को गिरफ्तार कर लिया है।बैरसिया थाना पुलिस के मुताबिक सोमवार सुबह ग्राम रमपुराखुर्द में रहने वाली 31 वर्षीय बैजंतीबाई की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। संदेह पुख्ता होने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। उसमें पता चला कि महिला की गला घोंटकर हत्या की गई है। पूछताछ करने पर पति सौदानसिंह ने पुलिस को गुमराह करते हुए बताया था कि पत्नी रविवार रात में खाना के बाद दलहान में खटिया पर सो गई थी। सुबह जब काफी देर तक वह सोकर नहीं उठी, तब घटना का पता चला। इस आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया था।

आपत्तिजनक हालत में देख लिया था

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सौदानसिंह के गांव में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध हैं। इस बात को लेकर बैजंतीबाई का अक्सर पति से विवाद भी होता रहता था। पुलिस ने सौदानसिंह से सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। उसने पूछताछ में बताया कि रविवार रात को वह महिला के घर में था, तभी बैजंतीबाई वहां पहुंच गई थी। पति को दूसरी महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में देख बैजंतीबाई ने हंगामा करना शुरू कर दिया था। इस पर उसकी प्रेमिका ने बैजंती के दोनों हाथ पकड़ लिए थे और उसने पास रखी लाठी से गला घोंट दिया था। उसके बाद बैजंतीबाई के शव को रात में घर में लाकर खटिया पर लिटाकर चादर से ढांक दिया था।

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश, प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच फंसी महिला, आरपीएफ जवान ने बचाई जान

भोपाल। मप्र में आरपीएफ जवानों और लोगों की सतर्कता ने एक महिला व पुरुष की जान बचा ली। दरअसल, महिला ट्रेन में चढ़ रही थी। इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ा और पैर फिसल गया। महिला गिर गई और ट्रेन की डिब्बे और प्लेटफार्म के बीच फंस गई। बीच में फंसने के बाद महिला मदद के लिए गुहार लगाने लगी। इसके बाद प्लेटफार्म पर मौजूद आरपीएफ जवान और लोगों ने उनकी बचाया और ट्रेन के बीच से बाहर निकाला।भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय संतुलन खो बैठने से महिला यात्री माया बोगी और प्लेटफार्म के बीच फंसकर घिसटने लगी। घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। महिला ट्रेन के नीचे जाती उसके पहले ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक ज्योति यादव ने उसे दौड़कर बाहर खींच लिया।

पनवेल गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ रही थी महिला

घटना मंलगवार की है। महिला यात्री माया विश्वकर्मा बरखेड़ा पठानी की रहने वाली है, जो भोपाल से पनवेल गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। वह ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही थी। तब तक ट्रेन चलने लगी, ट्रेन में चढ़ने के दौरान महिला संतुलन खो बैठी और ट्रेन-प्लेटफार्म के बीच में फंस गई। ट्रेन 22538 कुशीनगर एक्सप्रेस के भोपाल स्टेशन प्लेटफार्म नंबर दो पर प्रस्थान होने दौरान प्लेटफार्म पर ड्यूटी पर में तैनात आरक्षक मदसूदन द्वारा ट्रेन पास कराए जाने दौरान यात्री अविनेश कुमार कोच एस-1 के गेट से लटककर ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच फंसता हुआ दिखाई दिया। आरक्षक द्वारा सूझबूझ एवं त्वरित रूप से उक्त यात्री को अन्य यात्रियों के साथ मिलकर ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच से खींच कर सुरक्षित बाहर निकाला। अस्सी फिट रोड अशोका गार्डन निवासी भोपाल से गोरखपुर की यात्रा के लिए जनरल टिकट से जा रहा था, यात्री को मामूली चोट आयी। जिसके लिए उक्त यात्री से प्राथमिक उपचार के लिए पूछने पर मना किया एवं यात्री द्वारा यात्रा करने का आग्रह किया।

मध्य प्रदेश के साढ़े आठ करोड़ लोगों को मिले स्वास्थ्य का अधिकार तो आसानी से मिल सकेगा उपचार

कोई भी सरकार हो या राजनीतिक दल वे सबसे अधिक बातें विकास की करते हैं, लेकिन विकास की धुरी स्वास्थ्य और शिक्षा है। कहा जाता है स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज व राष्ट्र का निर्माण करता है, पर वोट की राजनीति में लोगों के जीवन से जुड़ा यह विषय पीछे छूट रहा है। छोटी-छोटी बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को दूसरे राज्य भागना पड़ रहा है। उपचार पर भारी-भरकम खर्च की वजह से वह गरीब हो रहे हैं।मध्य प्रदेश के लोगों को %स्वास्थ्य का अधिकार% देने की बात लंबे समय से की जा रही है। इसमें हर व्यक्ति का आयुष्मान योजना की तरह कैशलेस उपचार, न्यूनतम उपचार की गारंटी, स्वास्थ्य संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण शामिल है। पिछले विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने इसे अपने घोषणा पत्र में इसे शामिल किया था। लागू करने की तैयारी भी चल रही थी कि सरकार चली गई। इसके बाद आई भाजपा सरकार ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। स्थिति यह है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में प्रदेश का सरकारी सिस्टम बेहद पिछड़ा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि स्वास्थ्य का अधिकार सही तरीके से लागू किया जाए तो लोगों को बड़ी बीमारियों के उपचार के लिए भी दिल्ली-मुंबई नहीं भागना पड़ेगा। इसके लिए सबसे अधिक आवश्यक स्वास्थ्य के बजट में बढ़ोतरी की जाए। वर्ष 2023-24 में राज्य के कुल बजट तीन लाख 14 हजार करोड़ में से स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट 16 हजार करोड़ था जो कुल बजट का पांच प्रतिशत है। जानकारों का कहना है कि स्वास्थ्य का बजट राज्य के कुल बजट का छह प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। बजट कम होने से सरकारी अस्पताल जांच, मशीनरी व अन्य सुविधाओं में निजी क्षेत्र से काफी पीछे हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह हैं बड़े मुद्दे

डाक्टरों की कमी

प्रदेश के साढ़ आठ करोड़ लोगों के उपचार के लिए निजी और सरकारी मिलाकर लगभग 24 हजार डाक्टर ही हैं। कारण, डाक्टरों की नई पौध यहां पढ़ाई कर रुकना नहीं चाह रही है। प्रति वर्ष 800 से 1000 डाक्टर एनओसी लेकर दूसरे राज्यों में जा रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा

वर्ष 2013-14 में प्रदेश में 12 मेडिकल कालेज थे, जो अब 27 हो गए हैं। इसके बाद भी राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु से हम बहुत पीछे हैं।

पीपीपी पर सरकारों का ज्यादा ध्यान

एक तरफ तो सरकारें लोक कल्याणकारी राज्य बातें करती हैं पर स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सेवा भी पीपीपी के माध्यय से निजी हाथों को दी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अस्पताल व सुविधाएं निजी हाथों में नहीं जानी चाहिए।

रोकथाम पर ध्यान नहीं

सबसे अधिक जरूरी है बीमारियां होने से रोकना। इसके लिए सरकार को प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ पेयजल, साफ खान-पान को बढ़ावा देना चाहिए। अन्य राज्यों में इसके लिए कई गतिविधियां और कार्यक्रम चलते हैं, पर मप्र इसमें पिछड़ा है। इससे गैर संक्रामक बीमारियों की रोकथाम में सहायता मिलेगी।

शोध-- बीमारियों की पहचान, जांच और उपचार के लिए प्रदेश में कोई शोध संस्थान नहीं है।

यूक्रेन के चेर्निहाइव में रूसी मिसाइल हमले में 13 लोगों की मौत, 61 अन्य घायल

इंटरनेशनल डेस्क = रूस की तरफ से दागी गई तीन मिसाइल बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव में आठ मंजिला इमारत पर गिरीं जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमले में दो बच्चों सहित कम से कम 61 लोग घायल हो गए। चेर्निहाइव राजधानी कीव से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में, रूस और बेलारूस की सीमा के पास स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2,50,000 है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य साजो सामान मुहैया नहीं कराए जाने से रूस के खिलाफ युद्ध में उसकी स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है। युद्ध के तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के साथ रूस यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रहा है। हालांकि, सर्दियों के महीनों के दौरान, रूस युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर कोई प्रगति नहीं कर पाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से उनके देश को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियां प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने चेर्निहाइव हमले के बारे में कहा कि ''अगर यूक्रेन को पर्याप्त वायु रक्षा उपकरण मिले होते और रूसी आतंक का मुकाबला करने के लिए दुनिया का दृढ़ संकल्प होता, तो ऐसा नहीं होता। जेलेंस्की ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रसारित एक साक्षात्कार में 'पीबीएस को बताया था कि मिसाइल और ड्रोन हमले से बचाव करते हुए यूक्रेन के पास वायु रक्षा मिसाइलें खत्म हो गई हैं। हाल में रूस ने हमले में यूक्रेन के सबसे बड़े बिजली संयंत्रों में से एक को नष्ट कर दिया था। यूक्रेन के लिए एक विषम तथ्य वाशिंगटन में उस सहायता पैकेज की मंजूरी का रुकना है जिसमें यूक्रेन के लिए लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को कहा कि वह इस सप्ताह पैकेज को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। वाशिंगटन स्थित 'थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) के अनुसार, यूक्रेन में सैन्य साजो-सामान की तेजी से किल्लत हो रही है। आईएसडब्ल्यू ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य सहायता के प्रावधान में देरी के कारण रूस तेजी से बढ़त बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी सहायता के बिना यूक्रेन युद्ध के मैदान में ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकता। आईएसडब्ल्यू ने कहा कि यूक्रेन को अभी सबसे ज्यादा जरूरत वायु रक्षा प्रणाली और तोपखाने की है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि मास्को से लगभग 350 किलोमीटर पूर्व में मोर्दोविया क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। यह जगह यूक्रेन की सीमा से 700 किलोमीटर दूर है। मोर्दोविया हमले से लगभग एक घंटे पहले, रूस के नागर विमानन प्राधिकरण ने सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर देश के दो सबसे बड़े शहरों निजनी नोवगोरोद और तातारस्तान के कजान में हवाई अड्डों पर उड़ानें रोक दी थीं।

हाई स्कूल की क्लास में स्टूडेंट ने टीचर को मारे थप्पड़, टूटा चश्मा

इंटरनेशनल डेस्क= कैलिफ़ोर्निया में एक हाई स्कूल छात्र को अपनी महिला क्लास टीचर को थप्पड़ मारने कापरेशान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिरासत में लिया गया। क्लिप में, छात्र, जिसे नाबालिग बताया जा रहा है, उसने अपनी शिक्षिका से भिड़ते और उस पर हिंसक हमला करते देखा जा सकता है। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कई बार अटैक किए जाने के बावजूद, शिक्षक शांतचित्त दिखाई देती है और छात्र के मौखिक और शारीरिक हमले का शांति से जवाब देती है। वायरल वीडियो में शुरुआती प्रभाव के बाद शिक्षक को आरोपी छात्र से कहते हुए सुना जा सकता है,क्या आपको लगता है कि इसका मुझ पर कोई प्रभाव पड़ा? इस पर किशोर ने पूछा,क्या मैं तुम्हें फिर से मारना चाहता हूं? और शिक्षिका को दूसरी बार थप्पड़ मारा, जिससे उसका चश्मा टूट गया। इसके बाद छात्र चिल्लाता है,तुम्हारे साथ गलत हो रहा है, तुम क्या करोगे, फिर भी उस कुर्सी पर बैठो, इससे तुम्हें **** मिलेगा। कोई भी नहीं आ रहा है, तुम्हें थप्पड़ मार दिया गया है।

इंटरनेशनल डेस्क= कैलिफ़ोर्निया में एक हाई स्कूल छात्र को अपनी महिला क्लास टीचर को थप्पड़ मारने कापरेशान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिरासत में लिया गया। क्लिप में, छात्र, जिसे नाबालिग बताया जा रहा है, उसने अपनी शिक्षिका से भिड़ते और उस पर हिंसक हमला करते देखा जा सकता है। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कई बार अटैक किए जाने के बावजूद, शिक्षक शांतचित्त दिखाई देती है और छात्र के मौखिक और शारीरिक हमले का शांति से जवाब देती है। वायरल वीडियो में शुरुआती प्रभाव के बाद शिक्षक को आरोपी छात्र से कहते हुए सुना जा सकता है,क्या आपको लगता है कि इसका मुझ पर कोई प्रभाव पड़ा? इस पर किशोर ने पूछा,क्या मैं तुम्हें फिर से मारना चाहता हूं? और शिक्षिका को दूसरी बार थप्पड़ मारा, जिससे उसका चश्मा टूट गया। इसके बाद छात्र चिल्लाता है,तुम्हारे साथ गलत हो रहा है, तुम क्या करोगे, फिर भी उस कुर्सी पर बैठो, इससे तुम्हें **** मिलेगा। कोई भी नहीं आ रहा है, तुम्हें थप्पड़ मार दिया गया है।

आखिरकार प्रिंस हैरी ने ब्रिटेन से बदला अपना निवास स्थान, जानें किस देश की ले रहे नागरिकता

इंटरनेशनल डेस्क: प्रिंस हैरी ने अपने शाही कर्तव्यों से हटने के चार साल बाद आधिकारिक तौर पर अपना निवास देश ब्रिटेन से बदलकर अमेरिका कर लिया है। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे बेटे ने अपना आवासीय स्थान बदलने के लिए कुछ कागजी कार्रवाई दायर की। अब तक ड्यूक ऑफ ससेक्स ने लगातार आधिकारिक दस्तावेजों में यूके को अपने निवास के देश के रूप में दर्शाया था। परंतु ब्रिटेन के कंपनी हाउस में एक हालिया फाइलिंग से पता चला है किनया देश/राज्य आमतौर पर निवासी, संयुक्त राज्य अमेरिका है। वहीं यह बदलाव 29 जून, 2023 को दर्ज किया गया था। जो कि हैरी और मेघन मार्कल के फ्रॉगमोर कॉटेज, यूके से प्रस्थान और एक नए जीवन के लिए कैलिफोर्निया में अपना सार्वजनिक पुष्टि के साथ मेल खाता था।

दुबई में रिकॉर्ड बारिश से फ्लाइट्स पर भी पड़ रहा असर, एयर इंडिया ने रद्द की उड़ानें

नई दिल्ली: दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल दुबई हवाई अड्डे पर भारी बारिश के कारण पानी भरने से भारत से दुबई की उड़ानें काफी हद तक बाधित हो गई हैं। देश के विभिन्न शहरों से दुबई के लिए सप्ताह में 72 उड़ानों का संचालन करने वाली एयर इंडिया ने बुधवार को अपनी उड़ान सेवाएं रद्द कर दी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि दुबई में प्रतिकूल मौसम की वजह से उसे मंगलवार और बुधवार को खाड़ी देश से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। प्रवक्ता ने कहा, ''हम प्रभावित यात्रियों को अगले कुछ दिनों में फिर से उड़ानों में शामिल कर जल्द-से-जल्द रास्ते पर लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम 16 और 17 तारीख के वैध टिकट वाले यात्रियों को एक बार तारीख बदलने की छूट भी दे रहे हैं। इस बीच, एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दिल्ली हवाई अड्डे से दुबई के लिए 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं जबकि दुबई से राष्ट्रीय राजधानी आने वाली नौ उड़ानें रद्द कर दी गईं। रद्द की गई उड़ानों के बारे में तुरंत ब्योरा नहीं मिल पाया है। वहीं, दुबई हवाईअड्डा संचालक ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में परिचालन को जल्द से जल्द

त्वचा गोरी करने वाली फेयरनेस क्रीम किडनी कर सकती हैं खराब, वैज्ञानिकों ने बताई वजह

नेशनल डेस्क= अगर आप एहतियात नहीं बरतते हैं तो आपको त्वचा की रंगत निखारने वाली क्रीमों के इस्तेमाल की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। हालिया अध्ययन के मुताबिक त्वचा को गोरी करने वाली क्रीमों के कारण भारत में लोगों की किडनी की समस्याएं बढ़ रही हैं। मेडिकल जर्नल किडनी इंटरनेशनल में प्रकाशित अध्ययन कहा गया है कि पारे की भारी मात्रा वाली फेयरनेस क्रीम के बढ़ते उपयोग से मेम्ब्रेन नेफ्रोपैथी (एम.एन.) के मामले बढ़ रहे हैं, यह एक ऐसी स्थिति है जो किडनी के छानने की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाती है और प्रोटीन रिसाव का कारण बनती है।

क्या है मेम्ब्रेन नेफ्रोपैथी

मेम्ब्रेन नेफ्रोपैथी (एम.एन.) एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसके कारण नेफ्रोटिक सिंड्रोम होता है। यह एक किडनी विकार है जिसके कारण शरीर मूत्र में बहुत अधिक प्रोटीन उत्सर्जित करता है। अध्ययन के हवाले से शोधकर्ता ने बताया कि पारा त्वचा के माध्यम से अवशोषित हो जाता है और गुर्दे के छानने की प्रक्रिया पर कहर बरपाता है, जिससे नेफ्रोटिक सिंड्रोम के मामलों में वृद्धि होती है। एम.एन. के 22 मामलों की थी जांच

रिपोर्ट के मुताबिक अध्ययन में जुलाई 2021 से सितंबर 2023 के बीच दर्ज किए गए मेम्ब्रेन नेफ्रोपैथी (एम.एन.) के 22 मामलों की जांच की गई थी। अस्पताल में भर्ती उन मरीजों में कई तरह के लक्षण पाए गए थे, जिनमें अक्सर थकान होने, हल्की सूजन और मूत्र में झाग बढ़ने के छोटे संकेत पाए गए थे। केवल तीन रोगियों में खतरनाक सूजन थी, लेकिन सभी के मूत्र में प्रोटीन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया था। एक मरीज में सेरेब्रल वेन थ्रोम्बोसिस विकसित हुआ, मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया था, लेकिन गुर्दे का कार्य सभी में ठीक पाया गया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि ऐसे उत्पादों के उपयोग के खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता फैलाना और इस खतरे को रोकने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को सचेत करना जरूरी है। मरीज कर रहे थे क्रीम का इस्तेमाल

अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि लगभग 68 प्रतिशत या 22 में से 15 तंत्रिका एपिडर्मल वृद्धि कारक-जैसे 1 प्रोटीन (एनईएल-1) के लिए पॉजिटिव थे। मेम्ब्रेन नेफ्रोपैथी (एम.एन.) का एक दुर्लभ रूप से अधिक घातक है। 15 मरीजों में से 13 में लक्षण शुरू होने से पहले ही त्वचा को गोरा करने वाली क्रीम का उपयोग करने की बात स्वीकार की। बाकियों में से एक के पास पारंपरिक स्वदेशी दवाओं के उपयोग का इतिहास था जबकि दूसरे के पास कोई पहचानने योग्य चीज नहीं थी। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा कि ज्यादातर मामले उत्तेजक क्रीमों के उपयोग को बंद करने पर ठीक हो गए थे। सी.एस.ई. ने 2014 में भी किया था खुलासा सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सी.एस.ई.) ने भी साल 2014 में अपने एक अध्ययन के माध्यम से सौंदर्य प्रसाधनों में भारी धातुओं की मौजूदगी का खुलासा किया था।। अध्ययन में कहा गया था कि गोरा बनाने वाली क्रीम में पारा है जो अत्यंत विषैला माना जाता है। सी.एस.ई. की प्रदूषण निगरानी लैब (पी.एम.एल.) का कहना था कि सौंदर्य प्रसाधनों में पारे का उपयोग भारत में प्रतिबंधित है। पी.एम.एल. ने जिन फेयरनेस क्रीमों का परीक्षण किया उनमें से 44 प्रतिशत में पारा पाया गया। इसमें लिपस्टिक के 50 प्रतिशत नमूनों में क्रोमियम और 43 प्रतिशत में निकिल पाया गया। उस दौरान सी.एस.ई. की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा था कि कॉस्मेटिक उत्पादों में पारा मौजूद नहीं होना चाहिए।

इंडोनेशिया के रुआंग में ज्वालामुखी में कई बड़े विस्फोट, मंडरा रहा सुनामी का खतरा, अलर्ट जारी

जकार्ता: इंडोनेशिया के अधिकारियों ने रुआंग ज्वालामुखी में विस्फोट से बड़े क्षेत्र में राख फैलने के बाद बुधवार को सुनामी का अलर्ट जारी किया। अधिकारियों ने 11 हजार से ज्यादा लोगों को इलाका छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इंडोनेशिया ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा न्यूनीकरण केंद्र ने कहा सुलावेसी द्वीप के उत्तर में स्थित ज्वालामुखी में बीते 24 घंटे के दौरान कम से कम पांच बड़े विस्फोट हुए हैं। अधिकारियों ने अपने ज्वालामुखी अलर्ट का स्तर बढ़ाकर उच्चतम कर दिया है। कम से कम 800 निवासी बुधवार तक इलाका छोड़ चुके थे। इंडोनेशिया में 120 सक्रिय ज्वालामुखी हैं। अधिकारियों ने पर्यटकों और अन्य लोगों से रुआंग ज्वालामुखी से कम से कम छह किमी दूर रहने का आग्रह किया। अधिकारियों को चिंता है कि ज्वालामुखी का एक हिस्सा समुद्र में गिर सकता है और सुनामी उत्पन्न कर सकता है, जैसा 1871 के विस्फोट में हुआ था।

उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीट के लिए थम गया चुनाव प्रचार, कल होगा मतदान

देहरादून: उत्तराखंड के पांचों लोकसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को पहले चरण में होने वाले मतदान के लिए बुधवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि उत्तराखंड में शाम पांच बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। वर्ष 2014 और 2019 में राज्य की पांचों लोकसभा सीट पर जीत का परचम फहराने वाली सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस बार भी पुराना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है। राज्य की सभी लोकसभा सीट- पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, अल्मोड़ा (सुरक्षित), हरिद्वार और नैनीताल-पर 19 अप्रैल को मतदान है। पिछले एक पखवाड़े में चुनाव प्रचार में तेजी आयी और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड में उनके समकक्ष पुष्कर सिंह धामी सहित भाजपा के तमाम स्टार प्रचारकों ने राज्य के कोने-कोने में चुनावी रैलियां और रोड शो कर तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए जनता से समर्थन मांगा। दूसरी तरफ, शुरुआत से ही कांग्रेस की तरफ से प्रदेश में चुनाव प्रचार की कमान स्थानीय नेताओं ने ही संभाली रखी। हालांकि, तेरह अप्रैल को पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश में रामनगर और रुड़की में दो जनसभाएं कर कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए जनता से समर्थन मांगा।

रामनवमी के जुलूस पर पथराव के बाद 7 लोग अस्पताल में भर्ती

नेशनल डेस्क= पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बुधवार को रामनवमी जुलूस के दौरान झड़पें हुईं, जिसमें कई लोग घायल हो गए और7 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।। यह घटना शक्तिपुर इलाके में उस समय हुई जब एक समूह हिंदू त्योहार के दौरान जुलूस का नेतृत्व कर रहा था। बाद में इलाके में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। इलाके के वीडियो में लोग अपनी छतों से जुलूस पर पथराव करते दिख रहे हैं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े. पुलिस ने आगे कहा कि स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है और क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजा गया है। घायल लोगों को बेहरामपुर के मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। बीजेपी की बंगाल इकाई ने आरोप लगाया है कि रैली पर पथराव किया गया और दुकानों में तोड़फोड़ की गई।एक शांतिपूर्ण रामनवमी जुलूस, जिसके लिए प्रशासन से सभी उचित अनुमति थी, पर शक्तिपुर, बेलडांगा - द्वद्व ब्लॉक, मुर्शिदाबाद में उपद्रवियों द्वारा हमला किया गया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, अजीब बात है, इस बार, ममता पुलिस इस भयानक हमले में उपद्रवियों के साथ शामिल हो गई और आंसू गैस छोड़ी यह सुनिश्चित करने के लिए कि जुलूस अचानक समाप्त हो जाए, राम भक्तों पर गोले दागे गए। बहरामपुर के सांसद और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार शाम को क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा,मैं मालदा से झड़प में घायल हुए लोगों को देखने आया था। लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में यह दावा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया कि हिंदुओं पर हमला हो रहा है और मुझसे जवाब मांग रहे हैं। विरोध करने वालों को उन लोगों से पूछना चाहिए जिन्हें जवाब देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा,दंगे एक अच्छी तरह से परिभाषित योजना के तहत भड़काए जा रहे हैं। और भाजपा का विरोध यह साबित करता है। मैंने चुनाव आयोग से बात की है। शक्तिपुर में अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और एसपी मौके पर हैं। मैं लगातार संपर्क में हूं। यह घटना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुर्शिदाबाद में रामनवमी पर दंगे भड़कने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद हुई है। उनकी टिप्पणी चुनाव आयोग द्वारा जिले में हिंसा और अधिकारी की कथितपर्यवेक्षण की कमी को लेकर मुर्शिदाबाद के पुलिस उप महानिरीक्षक को हटाने के बाद आई है। ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा था,आज भी, सिर्फ बीजेपी के निर्देश पर मुर्शिदाबाद के छद्धत्र को बदल दिया गया। अब, अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं, तो जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी। बीजेपी दंगे और हिंसा भड़काने के लिए पुलिस अधिकारियों को बदलना चाहती थी। अगर एक भी दंगा होता है, तो ईसीआई जिम्मेदार होगा क्योंकि वे यहां कानून व्यवस्था की देखभाल कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि रामनवमी के मौके पर राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रची जा रही है. ममता बनर्जी ने एक चुनावी रैली में आरोप लगाया,वे आज दंगे में शामिल होंगे। दंगा होने की संभावना है और वे दंगा करके और वोट लूटकर (चुनाव) जीतेंगे। पिछले साल बंगाल में रामनवमी समारोह में भी हिंसा हुई थी, जिससे भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच बड़े पैमाने पर टकराव हुआ था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569